सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 330 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 13 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गणेशोत्सव में विघ्न न बनें प्रशासन, सहयोग करे : साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गणेश उत्सव समितियों को अनावश्यक प्रक्रिया में न उलझाया जाए। जरूरी औपचारिकताएं पूरी कराने में अधिकारी उनका सहयोग करें। समितियों के साथ समन्वय बनाकर काम किया जाए। साव ने कहा कि गणेश उत्सव प्रदेशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। ऐसे में प्रशासन की भूमिका समितियों को सुविधा देने और व्यवस्था बनाए रखने की होनी चाहिए।

सूर्या-कप सीजन-9 में उतरेंगी 48 टीमें, अंडर 19 भी शामिल

रायपुर। सुभाष स्टेडियम में 26 सितंबर से सूर्या कप सीजन-9 का आयोजन होगा। इस बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें 32 टीमें सिल्वर लीग और 16 टीमें आइकॉन लीग में खेलेंगी। प्रतियोगिता की खास बात यह है कि पहली बार अंडर-19 खिलाड़ियों को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों से ट्रायल के जरिए चुने गए 40 -19 खिलाड़ियों का आज 13 सितंबर को आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन हुआ।

5 पर्वों पर मांस-मटन की बिक्री बंदः बेचने-परोसने पर कार्रवाई

रायपुर। गणेश चतुर्थी और जैन समाज के पर्युषण पर्व समेत पांच प्रमुख पर्वों पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इन तिथियों पर पशुवध गृह और मांस-मटन की सभी दुकानें बंद रहेंगी। होटल और अन्य स्थानों पर भी मांस-मटन बेचने की अनुमति नहीं होगी। ये तिथियां हैं 14 सितंबर गणेश चतुर्थी, 15 सितंबर पर्युषण पर्व, 22 सितंबर डोल ग्यारस, 25 सितंबर अनंत चतुर्दशी तथा 26 सितंबर - संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा।

करूर भगदड़ मामले में थलपति को स्टालिन ने बचाया

पुडुकोट्टई। डीएमके के नेता एस रेगुपति ने दावा किया है कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मानवीय आधार पर नरमी बरतते हुए टीवीके प्रमुख विजय को करूर भगदड़ मामले में मुख्य आरोपी नहीं बनाने का फैसला किया था। रेगुपति ने कहा कि उन्होंने करूर भगदड़ से जुड़े मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्टालिन से विजय को मुख्य आरोपी बनाए जाने का आग्रह किया था। हालांकि, स्टालिन ने विजय के खिलाफ आरोप आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया, क्योंकि विजय एक अभिनेता थे और उन्होंने तब कुछ ही समय पहले अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन किया था।

हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न जांच समिति की रिपोर्ट को किया शून्य, नए सिरे से मामले की जांच के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के तत्कालीन महाप्रबंधक अरविंद कुमार पांडेय के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की नए सिरे से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने दिया।

निगम की स्टेनो टाइपिस्ट ने मार्च 2022 में तत्कालीन महाप्रबंधक के खिलाफ शिकायत की थी। निगम ने पांच सदस्यीय आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर जांच कराई थी। हालांकि, पीड़िता ने समिति के गठन और जांच प्रक्रिया पर ही सवाल उठाए थे। पीड़िता का आरोप था कि जांच समिति में शामिल सदस्य तत्कालीन महाप्रबंधक से कनिष्ठ अधिकारी थे। ऐसे में उनके रहते समिति से निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना उचित नहीं था। पीड़िता वर्ष 2008 से निगम में स्टेनो टाइपिस्ट के पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने तत्कालीन महाप्रबंधक पर कार्यालय में अनुचित व्यवहार, अशोभनीय इशारे और आपत्तिजनक प्रस्ताव देने के आरोप लगाए थे।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि आंतरिक शिकायत समिति के गठन को लेकर कानून में स्पष्ट प्रावधान हैं। कोर्ट ने कहा कि समिति में वरिष्ठ महिला अधिकारी को पीठासीन अधिकारी बनाया जाना जरूरी है और समिति के कम से कम आधे सदस्य महिलाएं होनी चाहिए।

निगम की ओर से दलील दी गई कि महिला कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण समिति में महिला सदस्य शामिल नहीं की जा सकीं। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में किसी अन्य कार्यालय या प्रशासनिक इकाई से वरिष्ठ महिला अधिकारी को समिति में शामिल किया जा सकता था। हाईकोर्ट ने पिछली समिति की रिपोर्ट को शून्य घोषित करते हुए नई समिति का विधिवत गठन करने एवं जांच फिर से कराने के निर्देश दिए।

डीआरडीओ पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में विकसित करेगा नया मिसाइल टेस्टिंग सेंटर

2024 में बनी थी योजना पर टीएमसी ने जमीन देने से कर दिया था इंकार

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जुनपुट गांव में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के एक नए मिसाइल और रडार परीक्षण केंद्र को मंजूरी मिल गई है। इस कदम से देश के डिफेंस सेक्टर को काफी मजबूती मिलेगी।

अप्रैल 2024 में, डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर में अपनी इंटीग्रेटेड टेस्टिंग रेंज के साथ-साथ पूर्वी मेदिनीपुर तट पर एक और टेस्टिंग रेंज बनाने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, उस समय की टीएमसी सरकार ने इसके लिए जमीन नहीं दी थी।

एक कार्यक्रम के दौरान, शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि डीआरडीओ ने इस प्रोजेक्ट के लिए एक पत्र भेजा था, लेकिन उस समय सत्ता में रही टीएमसी सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैंने इसे मंजूरी दे दी है। यह पश्चिम बंगाल के विकास के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट होगा। डीआरडीओ ने इसकी पुष्टि की है।

लॉन्च कॉम्प्लेक्स-3 का इस्तेमाल मुख्य रूप से कम दूरी की टैक्टिकल मिसाइलों, सतह से हवा में मार करने वाले सिस्टम और आकाश व पिनाका जैसे मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर के परीक्षण के लिए किया जाता है, वहीं, लॉन्च कॉम्प्लेक्स-4 लंबी दूरी के रणनीतिक हथियारों के परीक्षण के लिए तय किया गया है, जिसमें अग्नि बैलिस्टिक मिसाइल सीरीज और च-सीरीज की सबमरीन से लॉन्च होने वाली मिसाइलें शामिल हैं।

तीसरा बड़ा मिसाइल टेस्टिंग सेंटर होगा

पश्चिम बंगाल के जुनपुट में प्रस्तावित टेस्टिंग रेंज, चांदीपुर साइट्स और आंध्र प्रदेश में प्रस्तावित टेस्टिंग सेंटर के बाद डीआरडीओ का तीसरा बड़ा केंद्र होगा। भारत में मिसाइल टेस्टिंग की एक सुविधा है, जिसे 'इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज' के नाम से जाना जाता है। यह ओडिशा में दो लॉन्च कॉम्प्लेक्स से काम करती है। चांदीपुर-ऑन-सी में लॉन्च कॉम्प्लेक्स-3 और ओडिशा तट के पास लॉन्च कॉम्प्लेक्स-4 है।

लॉज और गेस्ट हाउस में साथ रुक सकते हैं अन्मैरेड अडल्ट कपल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में अब अविवाहित जोड़े होटलों, लॉज और गेस्ट हाउस में रह सकते हैं। बशर्ते दोनों की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा हो और वे अपनी सहमति देकर होटल में कमरा बुक कर सकते हैं। इस मामले में नागपुर पुलिस ने आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश 11 सितंबर को रात 12:01 बजे से लागू हो गया है। फिलहाल यह 9 नवंबर तक प्रभावी रहेगा। ये निर्देश होटलों, लॉज, गेस्ट हाउस और होमस्टे पर लागू होंगे। कहा जा रहा है कि यह 'ऑपरेशन शक्ति' अभियान के तहत मानव तस्करी, वेश्यावृत्ति और धोखाधड़ी की रोकथाम को मजबूत करने में मदद करेंगे। हालांकि ठहरने वाले हर मेहमान के लिए पहचान की पुष्टि (आइडेंटिटी वेरिफिकेशन) अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिर्फ ओरिजिनल आधार कार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस ही स्वीकार किए जाएंगे। इसी के आधार पर कमरा मिलेगा। आम तौर पर पैन कार्ड स्वीकार नहीं किए जाते हैं।

दुनिया में बढ़ रहा तनाव, संकट किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं

ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (ए.)। ब्रिक्स समिट के दूसरे दिन की बैठक के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया में चल रहे तनाव से लेकर भविष्य में आने वाले चुनौतियों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ने की बात कही है। साथ ही आपदा प्रबंधन और संक्रामक बीमारियों को लेकर भी बात की है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में हमने सभी प्रयास 'सतर्कता, नवाचार, सहयोग, स्थिरता' इन चार स्तंभों पर क्रिएट किए हैं। मुझे खुशी है कि आप सभी के सहयोग और समर्थन से हम अपने साझा विजन को भिन्न-भिन्न सहयोग में बदल सके।

मोदी ने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और सामान्य मानवी के जीवन पर उसका बहुत ही नकारात्मक व व्यापक प्रभाव हो रहा है। महामारियां, जलवायु आपदा और सप्लाई चेन में रुकावट ने दिखाया है कि आज की आपस में जुड़ी दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समूह में रेजिलिएंस बढ़ाने पर विशेष बल दिया है। चुनौतियों को तुरंत पहचानना, उनके लिए तैयार होना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ इंफेक्शियस डिसीज के प्रिवेंशन (संक्रामक बीमारियों की रोकथाम) और रिस्पॉन्स के लिए ब्रिक्स इंटीग्रेटेड अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पर सहमति बनी है।

डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए अर्ली वॉर्निंग डेटा इंटिग्रिशन गाइडलाइन तैयार की गई है। ब्रिक्स लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन का ऑपरेशन फ्रेमवर्क सप्लाई चेन को अधिक रिलायबल बनाएगा।

सहा. पोस्टमास्टर ने उड़ाई महिला की जमापूंजी

श्रीकंचनपथ समाचार

सीतापुर। पुराना बस स्टैंड निवासी होटल संचालक महेश सिंह की पत्नी ममता सिंह ने उप डाकघर में आरडी खाता खुलवा रखा था। आरडी की अवधि पूरी होने के बाद उन्होंने करीब 14 लाख रुपये की राशि उप डाकघर के सेविंग अकाउंट में जमा कर दी थी। आरोप है कि, उप डाकघर में पदस्थ सहायक पोस्टमास्टर सूरजदास महंत ने महिला के खाते से फर्जी तरीके से रकम निकाल ली। आरोप के मुताबिक, महिला के फर्जी हस्ताक्षर कर 17 मार्च 2026 को 5 लाख रुपये, 15 अप्रैल को 4 लाख रुपये और 30 अप्रैल को 5 लाख रुपये, यानी कुल 14 लाख रुपये खाते से आहरित कर लिए गए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब ममता सिंह ने अपना डाकघर का पासबुक अपडेट कराया। उन्होंने मामले की शिकायत प्रधान डाकघर अंबिकापुर में लिखित रूप में की। कोई कार्रवाई नहीं होने पर महिला ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यमुना पुल से 19 वर्षीय छात्रा ने लगाई छलांग

फतेहपुर। बांदा यमुना पुल पर शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब 19 वर्षीय इंटरमीडिएट की छात्रा संगीता यादव अपने जूते-चप्पल और कथित सुसाइड नोट पुल पर छोड़कर उफनती यमुना नदी में कूद गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। छात्रा की पहचान संगीता यादव निवासी कठार गांव की गई है।

पत्नी को मायके छोड़कर लौट रहे युवक की हादसे में मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदा बाजार। जिले में तीजा पर्व के लिए पत्नी को मायके छोड़कर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा शनिवार शाम करीब 6 बजे पलारी थाना क्षेत्र में ग्राम पहाड़ के पास हुआ। तेज रफ्तार अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि, युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत पचरी निवासी शंकर जोशी (25 वर्ष) तीजा पर्व पर अपनी पत्नी को मायके छोड़कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान पलारी से करीब दो किलोमीटर आगे ग्राम पहदा के पास अज्ञात भारी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

घटना की सूचना मिलने पर पलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। फरार वाहन चालक की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

फर्जी जमानत गिरोह का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

अंबिकापुर। फर्जी दस्तावेजों के जरिए आरोपियों की जमानत कराने वाले एक गिरोह का सरगुजा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य जरूरतमंद लोगों से पैसे लेकर फर्जी पट्टे और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन्हें जमानत के तौर पर न्यायालय में पेश करते थे। मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

सरगुजा पुलिस के मुताबिक, कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए जमानत के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले इस रैकेट का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि, गिरोह के सदस्य न्यायालय में जरूरतमंद लोगों को अपने जाल में फंसाकर पैसे लेते थे और उनके लिए फर्जी पट्टा समेत अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमानत की प्रक्रिया में इस्तेमाल करते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 फर्जी पट्टे, फर्जी आधार कार्ड और 6 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इसके अलावा एक्टीवा, लैपटॉप, 2 प्रिंटर, कीबोर्ड और माउस भी बरामद किए गए हैं। जांच के दौरान फर्जी पट्टे तैयार कराने में राज जायसवाल और शशिभूषण सिंह की भूमिका सामने आई है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और इस फर्जीवाड़े के जरिए जमानत पाने वाले मामलों की भी जांच कर रही है। कार्रवाई के बाद पुलिस ने

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय दीक्षांत में 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, 504 को उपाधियां

डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य नशे से ज्यादा खतरनाक : राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल श्री डेका ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज बहुत जरूरी है, लेकिन इसका उपयोग उतना ही होना चाहिए, जितना मानव समाज के हित में आवश्यक है। आज डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक हो गया है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए।

राज्यपाल आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, जबकि हम उस दौर के विद्यार्थी हैं, जब शिक्षा चाक, पेंसिल पुस्तकों और गुरुओं के माध्यम से प्राप्त करते थे। न्यूक्लियर एनर्जी, क्लाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को भगवत गीता के कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा कि कर्म ही जीवन है। हमें इस बात की चिंता किए बिना कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अपने कर्म, पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और सही रास्ते पर आगे बढ़ें।

श्री डेका ने कहा कि विज्ञान, तकनीक और इनोवेशन का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपने जीवन का रोडमैप तैयार कर योजनाबद्ध ढंग से सफलता की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं डिफेंस साइंटिस्ट डॉ. वी. सतीश रेड्डी तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर आर.पी. कौशिक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कुलपति प्रोफेसर डॉ. शिव दयाल पांडे ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

संपादकीय

सड़क पर निगाहें

भारत और सड़क हादसों में होने वाली मौतें

दुनिया भर में मौजूद कुल गाड़ियों में से मात्र एक फीसदी गाड़ियां भारत में होने के बावजूद, सड़क हादसों में होने वाली कुल मौतों में भारत की हिस्सेदारी लगभग 11 फीसदी की है। इसकी एक वजह यह भी है कि गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट पहनने के नियमों का बड़े पैमाने पर पालन नहीं किया जाता है। दुर्घटनाओं के बाद की जाने वाली जांचों में अक्सर यह पता चला है कि पीड़ित गाड़ी से बाहर छिटक जाते हैं या गाड़ी के अंदरूनी हिस्सों से टकराकर जानलेवा चोटों का शिकार होते हैं। बच्चों के मामले में भी खतरा बना रहता है क्योंकि बच्चों की सुरक्षा प्रणालियां (चाइल्ड रेस्ट्रेन्ट सिस्टम) और पिछली सीट की बेल्ट का इस्तेमाल ठीक से नहीं किया जाता है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय से कहा है कि वह इन उपायों के इस्तेमाल की आदत डालकर सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने से जुड़ी याचिका पर विचार करे। असल में पुलिस व्यवस्था में निश्चित रूप से कमी है। इसकी एक वजह ट्रैफिक पुलिस कैडर में लगातार कमी होना भी है। साथ ही, गाड़ियों के निर्माताओं को ऐसे सीट बेल्ट रिमाइंडर, जिनसे छेड़छाड़ न की जा सके, लगाने और गाड़ी खरीदने के बाद उसमें किए जाने वाले बदलावों को रोक सकने वाले उपायों के लिए मजबूर करने की भी गुंजाइश है। मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए कई उपाय और तंत्र लागू किए, लेकिन अब तक के राष्ट्रीय आंकड़ों से भारत को जिस स्तर पर हालात में सुधार की जरूरत है, वैसा कोई सबूत नहीं मिला है।

हालांकि, 2024 में सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में 46.2 फीसदी दोपहिया वाहन चालक और 20.6 फीसदी पैदल यात्री शामिल थे। सीट बेल्ट और बच्चों की सुरक्षा उपकरण (चाइल्ड रेस्ट्रेन्ट) सिर्फ बंद गाड़ियों में बैठे लोगों की ही सुरक्षा करते हैं, इसलिए इनके इस्तेमाल को बेहतर ढंग से लागू करने से कुल मौतों में से महज एक-तिहाई मौतों के वजहों को ही दूर किया जा सकेगा। असल में, तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना मौतों से जुड़ा सबसे आम उल्लंघन पाया गया है और गाड़ियों की रफ्तार को बहुत ज्यादा होने से रोकने पर केंद्रित एक राष्ट्रीय रणनीति से ज्यादा फायदे हो सकते हैं। दूसरी बात, न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकारों ने व्यवस्थित रूप से 'सेफसिस्टम' के तरीके को अपनाया है। यूं तो व्यक्तिगत जिम्मेदारी और स्कूलों व इसी तरह के संस्थानों की देखभाल के कर्तव्य मायने रखते हैं, फिर भी सरकारों से उम्मीद की जाती है कि वे ऐसी सड़कें बनाएं जो यह मानकर चलें कि हर कोई सही ढंग से व्यवहार नहीं करेगा। दूसरे शब्दों में, उन्हें दुर्घटनाओं की संभावना और उनकी गंभीरता, दोनों को कम करने की जरूरत है। इसके लिए दुर्घटना-संभावित जगहों की पहचान करके उन्हें ठीक करना, ऐसा माहौल बनाना जो मानवीय गलतियों की भरपाई कर सके, बच्चों का दो-पहिया वाहनों के ट्रैफिक से कम साबका कराना और गंभीर चोट के इलाज (ट्रॉमा केयर) की वक्त पर सुलभता को बेहतर बनाना जैसे उपाय किए जा सकते हैं। अंत में, भारत में ऐसी सार्वजनिक संस्कृति की कमी है जो सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा दे और असुरक्षित व्यवहार को रोके। भारत में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को लगातार कम करने के लिए, सरकारों को सुरक्षा के लिए कई तरीकों को मिलाकर काम करना होगा, जिसमें व्यक्तिगत फैसलों की भूमिका को जरूरत से ज्यादा अहमियत न दी जाए। यह भी काबिलेतारीफ है कि अदालत ने 2019 की तरह दखल देने वाला रुख अपनाने के बजाय इस याचिका को केंद्र के पास भेज दिया है। यह इस बात की मौन तस्दीक है कि सड़क सुरक्षा का मामला अब सिर्फ अदालती आदेशों से कहीं आगे निकल चुका है।

“ बच्चों के मामले में भी खतरा बना रहता है क्योंकि बच्चों की सुरक्षा प्रणालियां (चाइल्ड रेस्ट्रेन्ट सिस्टम) और पिछली सीट की बेल्ट का इस्तेमाल ठीक से नहीं किया जाता है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय से कहा है कि वह इन उपायों के इस्तेमाल की आदत डालकर सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने से जुड़ी याचिका पर विचार करे। असल में पुलिस व्यवस्था में निश्चित रूप से कमी है। इसकी एक वजह ट्रैफिक पुलिस कैडर में लगातार कमी होना भी है। साथ ही, गाड़ियों के निर्माताओं को ऐसे सीट बेल्ट रिमाइंडर, जिनसे छेड़छाड़ न की जा सके, लगाने और गाड़ी खरीदने के बाद उसमें किए जाने वाले बदलावों को रोक सकने वाले उपायों के लिए मजबूर करने की भी गुंजाइश है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

योगेश कुमार गोयल

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है, मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढ़र्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो?

समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है।

अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी। तब फिर कोई इमारत गिरेगी, कोई परिवार उजड़ेगा, कोई बच्चा मलबे में दबेगा और हम फिर पूछेंगे कि आखिर असली गुनहगार कौन है? जबकि सच हम सभी जानते होंगे। गुनहगार केवल वह व्यक्ति नहीं होगा, जिसने अवैध निर्माण किया बल्कि गुनहगार वह पूरा तंत्र होगा, जिसने उसे बनने दिया, चलने दिया और तब तक आंखें बंद रखी, जब तक मलबे ने चीखना शुरू नहीं कर दिया। अब समय चीख सुनने का नहीं, व्यवस्था को जवाबदेह बनाने का है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उत्तर प्रदेश में सनातन और विकास की गूंज

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही सभी राजनैतिक दलों ने अपना गुणा-भाग करके उसके आधार पर पिच बनानी आरम्भ कर दी है। अभी तक जो राजनैतिक अनुमान सामने आए हैं उसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रही है। उधर सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस के मध्य सीटों के तालमेल पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है जिसके कारण इंडी गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भ्रम व असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चुनावी तैयारी करते हुए सपा ने कार्यकर्ताओं की ड्रेस का रंग भी बदल डाला है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने अपना कार्यभर संभाल लिया है और अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं। भाजपा ने 2027 के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना होगा। कोई बूथ छूटना नहीं चाहिए। सभी जातियों को साधने का मंत्र दिया गया है। संख्या चाहे कम हो या ज्यादा लेकिन कोई जाति अछूती न रहे। हमें सबको जोड़ना होगा। भाजपा ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व उनके चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पाती के माध्यम से, मंच से तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी जनता के साथ संवाद बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी का जनता दरबार तो नियमित है ही। वह अयोध्या, मथुरा, काशी की भूमि से सनातन का संदेश भी दे रहे हैं। योगी स्वयं बाढ़ प्रभारवित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ितों से मिल रहे हैं। योगी ने सार्वजनिक संवाद के मंचीय भाषण और योजनाओं के शुभारंभ से आगे बढ़कर युवाओं, छात्रों ,लाभार्थियों से संवाद का विस्तार किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा का दो दिवसीय दौरा कर स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है और अब श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की मुक्ति का समय आ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के माध्यम से अवध से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक समस्त क्षेत्र को सनातन के रंग में रंग दिया और अपने मतदाता को बता दिया कि अब अगला चरण श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का ही है। मथुरा में मुख्यमंत्री योगी ने दो दिन बिताए। परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए सपा सरकार के काले कारनामों को उजागर किया और समा बांध दिया। अपने भाषण में योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पूर्व उत्सव नहीं उपद्रव होता था। पूर्व की सरकार दंगाइयों को सम्मान देती थी। अब दंगामुक्त प्रदेश में भारी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सनातन की आभा निरंतर बढ़ रही है। आज काशी विश्वनाथ धाम भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जा रहा है। अयोध्या में बाबर ने 128 में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर को तोड़कर गुलामी का ढांचा बनवा दिया लेकिन इससे रामनवमी, पंचकोसी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा सावन का झूला मेला नहीं रुका। सनातन की आभा निरंतर बढ़ती रही और संघर्षों का जज्बा पैदा करती रही। इसी का परिणाम है कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दिव्य व भव्य मंदिर बन गया है।

मुख्यमंत्री मथुरा में दो दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाने के बाद लखनऊ में रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए और फिर उन्होंने गोरखपुर में भी जन्माष्टमी समारोह मे भाग लेकर हिंदू समाज को स्पष्ट संकेत दिया कि भाजपा की योजना इस बार मंडल व कमंडल दोनों को अपने में समाहित कर लेने की है। राजनीति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जहां सनातन की आभा बढ़ रही है वहीँ विकास की गूंज भी लगातार सुनाई दे रही है। भाजपा सरकार अपनी योजनाओं के माध्यम से उन सभी वर्गो को खुश करने का प्रयास कर रही है जो उसके वोट प्रतिशत को बढ़ाने में सहायक है। प्रदेश के शिक्षकों के लिए सुविधाओं की घोषणा, 60 वर्ष की ऊपर की महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा तथा समाजिक पेंशन में वृद्धि के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा सेविकाओं का मानदेय भी बढ़ाने की घोषणा कर दी गई है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय 8 हजार से बढाकर 12 हजार कर दिया गया हैजबकि सहायिका का मानदेय 6 हजार की जगह 8 हजार कर दिया गया है। इसके अलावा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज, स्मार्टफोन तथा साड़ियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

अयोध्या में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज से 9 वर्ष पूर्व आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हालात में थे और बच्चे खुद टाट पट्टी लेकर पढ़ने के लिए आते थे, आंगनबाड़ी केंद्र अस्त व्यस्त रहते थे, समय से पोषाहार नहीं मिलता था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सेविकाओं को सम्मानित भी किया। योगी ने यहां पर भी सनातन को जोड़ लिया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सेविकाओं की तुलना माता यशोदा से करी।

उन्होंने कहाकि सपा व कांग्रेस इस बात से हैरान है कि रैन बसेरा निषादराज के नाम से कैसे बन गया ? यहां के भोजनालय शबरी माता के नाम से कैसे बन गए? अयोध्याधाम में रामलला विराजमान होने को लेकर पूरी दुनिया में उत्साह है किंतु सपा और कांग्रेसी खेमे में वीरानी छाई हुई है। वे भौंचक हैं कि अयोध्या धाम में रामलला का मंदिर कैसे बन गया।

वे समझ नहीं पा रहे हैं कि अयोध्या में रेलवे स्टेशन का विकास कैसे हो गया तथा सड़केन कैसे चौड़ी हो गयीं। महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इतना बड़ा इंटरनेशनल एसरपोर्ट कैसे बन गया? आगामी विधनसभा चुनावों के लिए भाजपा ने कमर कस ली है और वह हर वर्ग व जाति को साधते हुए सधे हुए कदमों से आगे बढ़ रही है इसके इतर समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन सीटों के तालमेल पर ही अटका है।

इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।

ब्रिक्स @20: सपने बड़े, चुनौतियां उससे बड़ी, ब्रिक्स की 'ब्रिक' कितनी मजबूत?

योगेश कुमार गोयल

भारत ने 2026 की अध्यक्षता के लिए 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण' की थीम चुनकर इसी चुनौती का व्यावहारिक उत्तर देने की कोशिश की है। 'मानवता प्रथम' की भावना से जुड़ा यह दृष्टिकोण ब्रिक्स को भू-राजनीतिक नारों से निकालकर विकास के ठोस एजेंडे से जोड़ता है।

कभी चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए गढ़ा गया 'ब्रिक' आज 11 देशों की बड़ी इमारत बन चुका है। हालांकि किसी भी इमारत की मजबूती उसके आकार से नहीं, नींव से तय होती है। यही सवाल अब ब्रिक्स के सामने है कि क्या यह समूह केवल पश्चिमी प्रभुत्व के विकल्प की तलाश करता राजनीतिक मंच बनेगा या वैश्विक दक्षिण की आर्थिक और विकास संबंधी आकांक्षाओं को ठोस शक्ति में बदल सकेगा? नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को भारत मंडपम में हो रहा 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस सवाल के लिहाज से महत्वपूर्ण है। भारत की अध्यक्षता में हो रहा यह सम्मेलन ब्रिक्स की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने का भी साक्षी है। इसलिए यह केवल वार्षिक बैठक नहीं बल्कि दो दशक की यात्रा के मूल्यांकन और अगले चरण की दिशा तय करने का अवसर है।

ब्रिक्स की शुरुआत मूलतः एक आर्थिक अवधारणा के रूप में हुई थी। 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने ब्राजील, रूस, भारत और चीन की आर्थिक संभावनाओं को रेखांकित करते हुए 'BRIC' शब्द गढ़ा। तब यह निवेश विश्लेषण की शब्दावली थी लेकिन जल्द ही इन देशों ने महसूस किया कि उनकी समानता केवल तेज आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व और अंतरराष्ट्रीय शासन व्यवस्था में असंतुलन भी उनकी साझा चिंता है। 2006 में चारों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक और 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में पहला शिखर सम्मेलन इस अवधारणा को औपचारिक अंतर-सरकारी मंच में बदलने की निर्णायक कड़ियां बने। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट ने इस प्रक्रिया को और बल दिया। पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था की कमजोरियों ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं को यह सवाल उठाने का अवसर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते योगदान के अनुरूप वैश्विक संस्थाओं में उनकी हिस्सेदारी क्यों न बढ़े।

दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद 2011 में 'BRIC' का 'BRICS' बनना इसके विस्तार का पहला बड़ा पड़ाव था। इसके बाद

2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात तथा 2025 में इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने से समूह 11 देशों तक पहुंच गया। साझेदार देशों की बढ़ती संख्या ने इसका दायरा और व्यापक कर दिया है। अब ब्रिक्स एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण अमेरिका की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है। यह विस्तार केवल संख्या नहीं है, इसके साथ बाजार, ऊर्जा, संसाधन, जनसंख्या और रणनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है लेकिन यही विस्तार ब्रिक्स की सबसे बड़ी चुनौती भी है। अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं, आर्थिक संरचनाओं और विदेश नीति की प्राथमिकताओं वाले 11 देशों के बीच साझा एजेंडा बनाना पहले की तुलना में कहीं कठिन है। भारत-चीन की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, रूस की भू-राजनीतिक स्थिति और पश्चिम एशिया के तनाव इसके सामने जटिल समीकरण पैदा करते हैं यानी ब्रिक्स की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है और यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी बन सकती है।

भारत ने 2026 की अध्यक्षता के लिए 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण' की थीम चुनकर इसी चुनौती का व्यावहारिक उत्तर देने की कोशिश की है। 'मानवता प्रथम' की भावना से जुड़ा यह दृष्टिकोण ब्रिक्स को भू-राजनीतिक नारों से निकालकर विकास के ठोस एजेंडे से जोड़ता है। भारत की अध्यक्षता में 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा, आर्थिक एवं वित्तीय तथा सांस्कृतिक एवं जन-से-जन संपर्क इसके तीन प्रमुख स्तंभ रहे हैं। अब असली परीक्षा यह है कि इन बैठकों के निष्कर्ष कितने ठोस परिणामों में बदलते हैं। ब्रिक्स की आर्थिक प्रासंगिकता का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान है। डॉलर की भूमिका कम करने की चर्चा लंबे समय से होती रही है लेकिन साझा ब्रिक्स मुद्रा निकट भविष्य में व्यावहारिक लक्ष्य नहीं दिखती। सदस्य देशों की मौद्रिक नीतियां, आर्थिक संरचनाएं और वित्तीय बाजार काफी अलग हैं। इसलिए अधिक यथार्थवादी रास्ता यह है कि स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़े, भुगतान प्रणालियां आपस में जुड़ें और सीमा-पार लेन-देन की लागत घटे।

यहीं भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का अनुभव महत्वपूर्ण हो जाता है। यूपीआई, डिजिटल पहचान और खुले डिजिटल ढ़ांचे ने भारत में कम लागत पर बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन को संभव बनाया है। यदि ऐसे मॉडलों को ब्रिक्स देशों के बीच सुरक्षित और अंतर-संचालनीय तरीके से जोड़ा जा सके तो यह केवल तकनीकी सहयोग नहीं होगा बल्कि विकासशील देशों के लिए व्यापार और वित्त का नया आधार तैयार कर सकता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक इस दिशा में ब्रिक्स की सबसे ठोस संस्थागत उपलब्धियों में है। 2014 में स्थापित इस बैंक ने यह दिखाया कि ब्रिक्स केवल वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में सुधार की मांग करने वाला समूह नहीं, विकासशील देशों की जरूरतों के लिए वैकल्पिक वित्तीय क्षमता बनाने वाला मंच भी हो सकता है। आगे स्थानीय मुद्रा वित्तपोषण, बुनियादी ढ़ांचे और सतत विकास में इसकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो सकती है।

ब्रिक्स का एजेंडा अब वित्त तक सीमित नहीं है। खाद्य, ऊर्जा और स्वास्थ्य सुरक्षा भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। महामारी ने चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियां उजागर की जबकि युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के जोखिम बढ़ाए हैं। महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, उर्वरक, दवाओं और कृषि तकनीक की विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने में सहयोग ब्रिक्स को वास्तविक आर्थिक ताकत दे सकता है। प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका अगला निर्णायक क्षेत्र है। डिजिटल कृषि, भू-स्थानिक तकनीक और एआई का इस्तेमाल छोटे किसानों की उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने में किया जा सकता है। इसी तरह स्टार्टअप, एमएसएमई और डिजिटल कौशल के क्षेत्र में सहयोग उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच नई आर्थिक कड़ियां बना सकता है। लेकिन ब्रिक्स की असली पहचान आर्थिक परियोजनाओं से भी आगे तय होगी। सवाल यह है कि क्या यह पश्चिम-विरोधी गठबंधन बनेगा? ब्रिक्स की ताकत किसी दूसरे शक्ति-गुट का प्रतिरूप बनने में नहीं, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने में है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाने का अर्थ पश्चिम से टकराव नहीं, वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में अधिक संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करना है।

यहीं भारत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत एक ओर अमेरिका, यूरोप और जापान के साथ अपने रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है तो दूसरी ओर रूस, चीन और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ ब्रिक्स में सक्रिय है। यह विरोधाभास नहीं, भारत की बहु-सरेखीय कूटनीति की वास्तविकता है। ब्रिक्स भारत को चीन के साथ मतभेदों के बावजूद संवाद का मंच देता है और साथ ही वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ अपनी नेतृत्वकारी भूमिका मजबूत करने का अवसर भी। इसलिए नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की सफलता घोषणापत्र की लंबाई से नहीं, उसके क्रियान्वयन से मापी जानी चाहिए। क्या सीमा-पार भुगतान सस्ता और आसान होगा? क्या व्यापारिक बाधाएं घटेंगी? क्या एमएसएमई को नए बाजार और वित्त मिलेगा? क्या डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना साझा होगी? क्या ऊर्जा, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भरोसेमंद तंत्र बनेंगे? और क्या ब्रिक्स वैश्विक वित्तीय एवं राजनीतिक संस्थाओं में सुधार के लिए साझा और प्रभावी आवाज बन सकेगा? दो दशक पहले 'ब्रिक' एक आर्थिक अनुमान था। आज 'ब्रिक्स' बदलती विश्व व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण वास्तविकता है। मगर आर्थिक भार अपने आप सामूहिक शक्ति में नहीं बदलता, उसके लिए संस्थागत क्षमता, आपसी विश्वास, व्यावहारिक सहयोग और साझा हितों की पहचान जरूरी है। इसलिए ब्रिक्स की 'ब्रिक' कितनी मजबूत है, इसका उत्तर उसके 11 सदस्यों की संख्या में नहीं, उनके बीच बनने वाली परस्पर निर्भरता में छिपा है। यदि यह समूह व्यापार को आसान बनाता है, विकास के लिए वित्त उपलब्ध कराता है, तकनीकी समाधान साझा करता है और वैश्विक दक्षिण को निर्णय-निर्माण में अधिक प्रभावी आवाज देता है तो इसकी नींव मजबूत मानी जाएगी। भारत के सामने इस अवसर को आकार देने की बड़ी जिम्मेदारी है। उसे ब्रिक्स को किसी देश या शक्ति के विरुद्ध खड़ा करने के बजाय विकास, सहयोग और बहुध्रुवीयता का व्यावहारिक मंच बनाना होगा। तब ब्रिक्स केवल 11 देशों की इमारत नहीं रहेगा बल्कि ऐसी विश्व व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है, जिसमें वैश्विक दक्षिण दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय का सक्रिय भागीदार हो।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

मोर मकान मोर आस योजना के तहत आवासों के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत संचालित मोर मकान–मोर आस योजना के तहत नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों के आवंटन हेतु पात्र हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना का उद्देश्य किराये के मकानों में निवासरत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वयं का आवास उपलब्ध कराना है। नगर निगम द्वारा गोकुल नगर, माँ कर्मा हाइट्स एवं सरस्वती नगर परियोजनाओं में कुल 777 आवासों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। पात्र हितग्राही निर्धारित आवेदन शुल्क जमा कर निगम के डेटा सेंटर, सेंट्रल लाइब्रेरी स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा से आवेदन प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं।योजना के तहत दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को शासन के नियमानुसार प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। भूतल के आवासों का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर तथा शेष आवासों का आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

श्रीगणेश चतुर्थी पर 14 सितंबर को मांस-मटन की दुकानें रहेंगी बंद

दुर्ग। राज्य शासन/स्थानीय शासन विभाग के परिपत्र क्रमांक 906/ 69/मं./18–3/90 दिनांक 18/05/1990 के प्रावधानों के अनुसार नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा श्री गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर निगम सीमा क्षेत्र में संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानों को दिनांक 14 सितंबर, सोमवार को पूर्णतः बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।निगम प्रशासन ने बताया कि गणेश चतुर्थी के धार्मिक एवं पवित्र पर्व को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला शहर क्षेत्र में संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानों पर निगरानी रखेगा।

रेल मिल में महिला ठेका श्रमिकों हेतु नई चेतना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल मिल विभाग द्वारा महिला संविदा कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण तथा कार्यस्थल पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 11 सितम्बर 2026 को रेल मिल सभागार में ''नई चेतना'' जागरूकता कार्यशाला का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएनआर) श्री टी दस्तीदार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, वैधानिक प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था।

पोटियाकला में विकास कार्यों को मिली गति, मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पोटियाकला वार्ड में क्षेत्रवासियों की सुविधाओं और सार्वजनिक स्थलों के व्यवस्थित विकास को लेकर विकास कार्य लगातार जारी हैं। केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव की पहल से पोटियाकला वार्ड स्थित श्री सद्गुरु कबीर सत्संग भवन परिसर में 15 लाख की लागत से पेवर ब्लॉक का कार्य पूर्ण कराया गया है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने सत्संग भवन परिसर का निरीक्षण कर पूर्ण हुए कार्यों का जायजा लिया। धार्मिक एवं सामाजिक

आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण इस परिसर में पेवर ब्लॉक लगाए जाने से परिसर में स्वच्छता, सुविधा और सुंदरता में वृद्धि हुई है। अब यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि जो कहा, सो किया। जनता से किया गया प्रत्येक वादा हमारे लिए केवल घोषणा नहीं, बल्कि एक संकल्प है। उस संकल्प को धरातल पर उतारना हमारी प्राथमिकता है। क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

दईहान स्थल का भी किया निरीक्षण: इसी क्रम में मंत्री गजेन्द्र यादव ने पोटियाकला वार्ड स्थित दईहान स्थल का भी निरीक्षण किये। स्थानीय नागरिकों की मांग पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं इंजीनियरों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थल की वर्तमान स्थिति का जायजा लिये।

निरीक्षण के दौरान दईहान परिसर में पेवर ब्लॉक, डोम शेड सहित आवश्यक सौंदर्यीकरण एवं जनसुविधा से जुड़े कार्यों की रूपरेखा पर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य प्रारंभ करने तथा निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और सामाजिक उपयोग के स्थलों का बेहतर विकास क्षेत्रवासियों की सुविधा से सीधे जुड़ा हुआ है। ऐसे स्थानों पर आवश्यक सुविधाओं का विस्तार कर उन्हें स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना हमारी प्राथमिकता है।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकता और नागरिकों की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

भिलाई महिला समाज में अन्तर शाखीय युगल नृत्य एवं 'महा तीज तेजस्विनी-2026' का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई की सबसे पुरानी सामाजिक संस्थाओं में से एक भिलाई महिला समाज (बीएमएस) द्वारा 11 सितंबर 2026 को अन्तर शाखीय युगल नृत्य प्रतियोगिता एवं 'महा तीज तेजस्विनी–2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भिलाई महिला समाज के सभी दस क्लबों की तीज विजेताओं एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रंगारंग प्रस्तुतियों और प्रतिभागियों के उत्साह से सभागार पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों से खचाखच भरा रहा।

इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम, उपाध्यक्ष श्रीमती मोली चक्रवर्ती, श्रीमती केका सरकार, श्रीमती पूनम कुमार, डॉ. स्मिता भास्कर एवं श्रीमती आभा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। युगल नृत्य प्रतियोगिता के निर्णायक सुश्री गुंजन चौहान चंदेल एवं सुश्री सुनयना जसबीर थीं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में भिलाई महिला समाज की कोर कमेटी की सह सचिव श्रीमती चैती पॉल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन एवं सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीता तिवारी भी उपस्थित रहीं।

सोमा दाम बनीं 'तेजस्विनी दिवा–2026': 'तेजस्विनी दिवा–2026' का खिताब मरोदा क्लब की श्रीमती सोमा दाम ने अपने नाम किया। नेहरू नगर क्लब की श्रीमती संगीता कौर प्रथम उप विजेता तथा स्मृति नगर स्वागतम क्लब की श्रीमती बरखा गौड़ द्वितीय उप विजेता रहीं। वहीं जजेज च्वाइस सम्मान श्रीमती चेतना देवांगन एवं श्रीमती आशा सिरमोर को प्रदान किया गया।

अन्तर शाखीय युगल नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागी क्लबों ने उत्साहपूर्ण एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। प्रतियोगिता में सेक्टर–10बी क्लब ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्मृति नगर क्लब द्वितीय तथा मरोदा क्लब तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री प्रिया पगारे ने किया। अंत में सुश्री जेस्सी सुनील ने आभार प्रदर्शन किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र में राजभाषा पखवाड़े का आयोजन 18 सितंबर से 4 अक्टूबर तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 18 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 के मध्य राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान प्रतिवर्ष की भांति राजभाषा विभाग द्वारा कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा पखवाड़ा के समापन के अवसर पर संयंत्र स्तरीय वार्षिक हिंदी पुरस्कारों के वितरण के साथ ही पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रतिवर्ष देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों केन्द्र सरकार के प्रतिष्ठानों, विभागों, बैंकों एवं बीमा कंपनियों आदि में सितंबर माह राजभाषा हिंदी को समर्पित किया जाता है। इस दौरान इन संस्थानों द्वारा हिंदी माह, पखवाड़ा, सप्ताह आदि का आयोजन किया जाता है, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। उद्देश्य यही होता है, कि इन आयोजनों के माध्यम से केन्द्र सरकार के उपक्रमों, प्रतिष्ठानों, विभागों, बैंकों एवं बीमा कंपनियों आदि में कार्यरत कार्मिकों को समस्त कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए ताकि कार्मिकों के हृदय में राजभाषा हिंदी भाषा के प्रति अनुराग जागृत हो।

वर्ष 2021 से भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 'अखिल भारतीय हिंदी दिवस एवं राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह करते हैं। इस वर्ष यह आयोजन सिडको प्रदर्शनी केन्द्र, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में दिनांक 14 एवं 15 सितंबर को किया जा रहा है। तदनुसार देश भर में स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों में 14 सितंबर के बाद राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों का आरंभ किया जाएगा।

इसी के अनुरूप भिलाई इस्पात संयंत्र में दिनांक 18 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया जाएगा और 4 अक्टूबर तक विभिन्न आयोजन किए जाएंगे, उसके पश्चात पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा संयंत्र स्तरीय वार्षिक हिंदी पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा।

प्रणवम महोत्सव में इंडियन क्लासिक डांस अकादमी का दबदबा, सोलो और ग्रुप डांस में जीते पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बिलासपुर के लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित प्रणवम महोत्सव–2026 में दुर्ग कसारीडीह स्थित इंडियन क्लासिक डांस अकादमी के नृत्यांगनाओ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अकादमी की नृत्यांगनाओं ने सोलो डांस प्रतियोगिता में तीन पुरस्कार हासिल किए, वहीं ग्रुप डांस में प्रथम स्थान प्राप्त कर अकादमी का नाम रोशन किया।

यह उपलब्धि अकादमी की गुरु तृप्ति राऊत के मार्गदर्शन में हासिल की गई। सोलो डांस प्रतियोगिता में अकादमी की वैभवी यादव ने द्वितीय स्थान, जबकि ख्याति ठाकुर और सिद्धि पंसारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नृत्यांगनाओं ने अपनी भाव–भंगिमा, तालमेल और नृत्य कौशल से निर्णायकों को प्रभावित किया।

इसी प्रकार ग्रुप डांस प्रतियोगिता में अकादमी की वैभवी यादव, ख्याति ठाकुर, अद्विता सुरपाम, कोपाल साहू और सिद्धि पंसारी ने शानदार सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देकर प्रथम

स्थान हासिल किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों एवं निर्णायकों ने खूब सराहा।

प्रणवम महोत्सव के दौरान अतिथियों द्वारा सोलो डांस एवं ग्रुप डांस के विजेता कलाकारों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस सफलता से इंडियन क्लासिक डांस अकादमी के कलाकारों, गुरु एवं परिजनों में हर्ष का माहौल है। अकादमी की नृत्यांगनाओं ने अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रतिभा के माध्यम से न केवल संस्था का गौरव बढ़ाया, बल्कि प्रदेश स्तर पर दुर्ग की कला एवं सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत किया है।

एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने किया बीएसपी की पुस्तकालयों का शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, वैशाली नगर, भिलाई के कक्षा XI एवं XII के 56 विद्यार्थियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र की सार्वजनिक पुस्तकालय एवं एचआर–एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के अनुरोध पर आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकालयों में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की पुस्तकों, संदर्भ सामग्री एवं अध्ययन संसाधनों से परिचित कराना था।

एचआर–एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय में एचआर–एलएंडडी, बीएसपी की सेक्शन एसोसिएट (एसए) सुश्री नीतू सिंह ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय एवं वहां उपलब्ध पुस्तक संग्रह की जानकारी दी। यह कार्यक्रम सहायक प्रबंधक (एचआर–एलएंडडी, बीएसपी) सैफुद्दीन फज़ली के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने शैक्षणिक एवं संदर्भ पुस्तकों के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री में विशेष रुचि दिखाई। विशेष रूप से नीट तथा अन्य प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित पुस्तकों ने विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। मानव संसाधन लर्निंग एंड डेवलपमेंट सुविधा परिसर में स्थित एचआर–एलएंडडी केंद्रीय पुस्तकालय बीएसपी कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए अध्ययन एवं ज्ञानार्जन का महत्वपूर्ण केंद्र है। पुस्तकालय में व्यावसायिक अध्ययन, शैक्षणिक गतिविधियों, कौशल विकास एवं ज्ञानवर्धन से संबंधित विविध संसाधन उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों ने बीएसपी सार्वजनिक पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। आम जनता के लिए उपलब्ध यह पुस्तकालय पठन–पाठन एवं ज्ञानार्जन के लिए महत्वपूर्ण सामुदायिक संसाधन के रूप में कार्य करता है। यहां विभिन्न विषयों एवं रुचियों से संबंधित पुस्तकों तथा संदर्भ सामग्री का संग्रह उपलब्ध है, जो पाठकों को स्व–अध्ययन एवं विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पुस्तकालय में उपलब्ध अध्ययन सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों में विशेष उत्साह दिखाया। उच्च शिक्षा की तैयारी के महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुके विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की अध्ययन सामग्री विशेष रूप से उपयोगी रही।

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका सुश्री एम. पुण्यवती रेड्डी ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को बीएसपी की पुस्तकालय सुविधाओं से परिचित कराने का अवसर प्रदान करने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुर्ग में 685.90 करोड़ रुपये की समझौता राशि पर बनी सहमति, संवाद और आपसी सहमति से वर्षों पुराने विवादों का शांतिपूर्ण अंत

नेशनल लोक अदालत में 4.10 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार 12 सितंबर को दुर्ग जिले के विभिन्न न्यायालयों एवं न्यायिक संस्थानों में किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देश, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में आयोजित लोक अदालत में न्यायालयीन एवं प्री–लिटिगेशन सहित कुल 4 लाख 10 हजार 720 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन मामलों में लगभग 685.90 करोड़ रुपये की समझौता राशि पर सहमति बनी।

लोक अदालत में कुल 37 खंडपीठों का गठन किया गया था। परिवार न्यायालय दुर्ग, जिला न्यायालय दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई–3, पाटन एवं धमधा, किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय, स्थायी

लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), राजस्व न्यायालय तथा उपभोक्ता फोरम सहित विभिन्न न्यायिक संस्थानों में प्रकरणों की सुनवाई हुई। इस दौरान 13,851 न्यायालयीन प्रकरण तथा 3,96,869 प्री–लिटिगेशन प्रकरण निराकृत किए गए। इनमें बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं, विद्युत और दूरसंचार सेवाओं से जुड़े बड़ी संख्या में प्री–लिटिगेशन विवाद भी शामिल रहे।

–पति–पत्नी ने एक–दूसरे को माला पहनाकर खत्म किया विवाद

लोक अदालत में कई ऐसे मामले भी सामने आए, जिनका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं में दिखाई दिया। परिवार न्यायालय दुर्ग में लंबे समय से मतभेद से गुजर रहे पति–पत्नी का मामला लोक अदालत में पहुंचा। न्यायालय ने दोनों पक्षों को केवल कानूनी अधिकारों के बजाय उनके भविष्य, सम्मान, विश्वास और पारिवारिक जीवन के दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित किया। दोनों ने पुराने मतभेद भुलाकर सम्मान और विश्वास के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। इसके बाद न्यायालय परिसर में ही दोनों ने एक–दूसरे को माला पहनाई और खुशी–खुशी अपने घर लौट गए।

एक अन्य मामले में परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से चली आ रही रंजिश ने आपराधिक प्रकरण का रूप ले लिया था। वर्षों से लंबित विवाद के कारण रिश्तों में तनाव और दूरी बढ़ गई थी। लोक अदालत में न्यायालय ने पक्षकारों की भावनाओं और पारिवारिक संबंधों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संवाद का वातावरण तैयार किया। इसके परिणामस्वरूप पुरानी कटुता समाप्त हुई और सभी पक्षकारों ने आपसी सहमति से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान स्वीकार किया। इस प्रकरण में पांच संबंधित पक्षकार थे। सभी की व्यक्तिगत उपस्थिति संभव नहीं होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ पक्षकारों ने सहभागिता की और समझौते की प्रक्रिया पूरी की। इस तरह तकनीक ने दूरी कम की और मध्यस्थता ने रिश्तों की दूरी खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक अन्य प्रकरण में रात के समय घर लौट रहे व्यक्ति का ईयरफोन रास्ते में गिर गया। उसे उठाने के लिए वापस आने पर उसकी मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। मामले में मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई और प्रकरण न्यायालय तक पहुंचा। बाद में मोटरसाइकिल बरामद कर प्रार्थी को सुपुर्द कर दी गई। नेशनल लोक अदालत में प्रकरण रखे जाने पर प्रार्थी ने आपसी राजीनामे की इच्छा जताई। न्यायालय की समझाइश के बाद आरोपियों ने भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने का आश्वासन देते हुए प्रार्थी से माफी मांगी। प्रार्थी ने भी समझौते के लिए सहमति दे दी। इस प्रकार मामला आपसी राजीनामे के आधार पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हुआ।

नेशनल लोक अदालत के दौरान न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों और आम नागरिकों के लिए जिला चिकित्सालय दुर्ग के सहयोग से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. निवेदिता गार्डिया एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पक्षकारों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने शिविर का लाभ उठाया।

Since 1972

CROWN®-TV

Choice Of Millions

LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और अवसरों की नहीं होगी कमी: मुख्यमंत्री

- प्रदेश में खेल अधोसंरचना का तेजी से हो रहा विस्तार, रायपुर में 60 करोड़ रुपए की लागत से बन रही आर्चरी अकादमी
- जशपुर के पंडरापाठ में 20-25 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी, वनांचल की प्र.तिभाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण
- शासन और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के बीच बेहतर समन्वय के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी को दी जाएगी जिम्मेदारी
- बस्तर और सरगुजा ओलंपिक से दूरस्थ अंचलों की प्रतिभाओं को मिल रहा बड़ा मंच, खेल उत्कर्ष मिशन से प्रतिभाओं को तराशने पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं। इन समूहों के सहयोग को खेलों के विकास से जोड़ा जाए तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खेल अधोसंरचना के विस्तार में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उद्योग जगत और खेल गतिविधियों के बीच बेहतर समन्वय के सकारात्मक परिणामों को करीब से देखा है। यदि अलग-अलग उद्योग समूह विभिन्न खेलों और खेल संघों के साथ जुड़कर सहयोग करें, तो प्रदेश में खेलों के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने इस दिशा में सुनियोजित ढंग से पहल करने को कहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ और राज्य शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। खेल संघों से जुड़े विषयों, उनकी आवश्यकताओं और शासन स्तर पर जरूरी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को विशेष रूप से छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे खेल संघों की आवश्यकताओं और विभिन्न प्रस्तावों पर शासन स्तर पर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि खेलों के विकास से जुड़े विषयों का समयबद्ध समाधान हो और खिलाड़ियों को योजनाओं तथा सुविधाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए शासन और खेल संगठनों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर अंचल में तीरंदाजी की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के युवाओं में तीरंदाजी की नैसर्गिक प्रतिभा है। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा समुदाय में यह खेल जीवन और परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ है। इन प्रतिभाओं को आधुनिक प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर बड़े खेल मंचों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जशपुर के पंडरापाठ में लगभग 20 से 25 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी की स्थापना की जा रही है। अकादमी के माध्यम से जशपुर सहित आसपास के वनांचल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपने क्षेत्र में ही आधुनिक प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीण और जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा।

बैठक में 40वें नेशनल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ में कराने के विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विस्तार के साथ अब बड़े राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की दिशा में भी गंभीरता से आगे बढ़ने का समय है। 40वें नेशनल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को दिलाने के लिए शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि नेशनल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिलती है, तो इसके आयोजनों को बस्तर से भी जोड़ने की संभावनाओं पर विचार किया जा सकता है। बस्तर में शांति, विकास और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है। राष्ट्रीय स्तर का बड़ा खेल आयोजन यहां के युवाओं को प्रेरणा देने के साथ देश-दुनिया के सामने बदलते और आगे बढ़ते बस्तर तथा छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर प्रस्तुत करने का अवसर भी बनेगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों जैसे बड़े आयोजन से प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास को और गति मिलेगी, स्थानीय खिलाड़ियों को देश के श्रेष्ठ खिलाड़ियों को करीब से देखने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा तथा प्रदेश में खेल संस्कृति व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित होगी।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खेल अधोसंरचना के निर्माण और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए जा रहे हैं। लंबे अंतराल के बाद खेल अलंकरण समारोह आयोजित कर खिलाड़ियों को सम्मानित करने से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के वनांचलों में तीरंदाजी जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन देने की है। बस्तर के जनजातीय युवा मलखम्ब में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। सामूहिक खेलों के साथ व्यक्तिगत खेलों में भी खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल गतिविधियों का तेजी से विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से सीधे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन करते हैं। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और भारतीय खिलाड़ी दुनिया के विभिन्न खेल मंचों पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों और खेल अधोसंरचना के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। खेल अलंकरण की पुनः शुरुआत और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्रदान करने जैसे निर्णयों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने खेल संबंधी विषयों में बेहतर समन्वय के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदारी दिए जाने की पहल का स्वागत किया। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने पिछली एग्जीक्यूटिव बॉडी बैठक का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों, संघ की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

रायपुर में 60 करोड़ रुपए की लागत से बन रही आर्चरी अकादमी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। रायपुर, रायगढ़ और कुनकुरी में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर में लगभग 60 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक आर्चरी अकादमी का निर्माण भी किया जा रहा है। इन सुविधाओं के विकसित होने से प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और अभ्यास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी खेल अधोसंरचना तैयार करने का प्रयास है, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ी आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों और आवश्यक संसाधनों के साथ अपनी क्षमता को निखार सकें। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी।

'बस्तर और सरगुजा ओलंपिक से सामने आ रही नई प्रतिभाएं'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर और सरगुजा जैसे अंचलों में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं। बस्तर ओलंपिक ने दूरस्थ क्षेत्रों के हजारों युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बड़ा मंच उपलब्ध कराया है। राज्य सरकार बस्तर ओलंपिक का आयोजन प्रत्येक वर्ष करेगी। सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे आने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास के नए वातावरण के बीच खेलों को भी नई गति देने का समय है। क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि और असाधारण क्षमता है। उन्हें उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का भी प्रभावी माध्यम हैं।

'खेल अलंकरण की पुनः शुरुआत से खिलाड़ियों का बढ़ा उत्साह'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों और खिलाड़ियों को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है। प्रधानमंत्री खिलाड़ियों से नियमित संवाद करते हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन का उत्साहवर्धन करते हैं। इससे देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी भावना के साथ प्रदेश के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य में खेल अलंकरण समारोह की पुनः शुरुआत की गई है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित और प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। खेल प्रतिभाओं को शासकीय सेवा में अवसर देने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

तारा कोल ब्लॉक की अभी केवल हुई है नीलामी वन-पर्यावरण स्वीकृति समेत सभी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम ने बताया है कि फिलहाल तारा कोल ब्लॉक की केवल प्रतिस्पर्धात्मक नीलामी हुई है। खनन शुरू करने से पहले माइनिंग प्लान, खनन पट्टा, पर्यावरण स्वीकृति, वन स्वीकृति और अन्य सभी जरूरी वैधानिक अनुमतियां हासिल करनी होंगी। इन प्रक्रियाओं और अनुमोदनों के पूरा होने के बाद ही वास्तविक खनन गतिविधियां शुरू करने की अनुमति मिल सकेगी।

तारा कोल ब्लॉक की प्रतिस्पर्धात्मक नीलामी में कुल 9 बोलियां मिली थीं। खनन से पहले वन स्वीकृति के विभिन्न चरण पूरे करने होंगे। पर्यावरणीय प्रभावों का निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षण भी किया जाएगा। जरूरी वैधानिक अनुमतियां मिलने से पहले वृक्षों की कटाई या वास्तविक खनन गतिविधि शुरू नहीं की जा सकती। यानि कोल ब्लॉक की नीलामी, वन एवं पर्यावरण स्वीकृति और वास्तविक खनन की अनुमति अलग-अलग चरण हैं। हसदेव-अरण्य में कोल ब्लॉकों के आवंटन और खनन से जुड़ी प्रक्रिया पहले से चली आ रही है। तारा कोल ब्लॉक वर्ष 2011 में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम को आवंटित किया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिणामस्वरूप अन्य कोल ब्लॉकों के साथ इसका पूर्व आवंटन निरस्त हो गया।

इसी अवधि में हसदेव-अरण्य क्षेत्र के अन्य कोल ब्लॉक विभिन्न सरकारी विद्युत उत्पादन संस्थाओं की जरूरतों से जुड़े थे। इनमें परसा ईस्ट केते बासन (पीईकेबी), राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की विद्युत उत्पादन जरूरतों के लिए आवंटित प्रमुख ब्लॉकों में शामिल रहा है।

हसदेव-अरण्य क्षेत्र के कोल ब्लॉकों से संबंधित वन और पर्यावरण स्वीकृतियों की प्रक्रिया भी केंद्र की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में आगे बढ़ी थी। वर्ष 2011 में वन सलाहकार समिति की प्रतिकूल अनुशंसा के बावजूद केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के स्तर पर तारा और पीईकेबी के संबंध में वन स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया था। पीईकेबी को जुलाई 2011 में स्टेज-1 और मार्च 2012 में स्टेज-2 फारेस्ट क्लियरेंस मिली थी। इसी अवधि में परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया भी आगे बढ़ी। पूर्व की व्यवस्था में कोल ब्लॉक सरकारी कंपनियों या निर्धारित उपयोगकर्ता संस्थाओं को आवंटित किए जाते थे।

वर्तमान व्यवस्था में वाणिज्यिक कोयला खनन के लिए पारदर्शी प्रतिस्पर्धात्मक नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाती है। तारा कोल ब्लॉक की मौजूदा प्रक्रिया इसी व्यवस्था के तहत हुई है। नीलामी में सफल होने से कंपनी को स्वतः खनन, वन या पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिलती। देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और विद्युत आपूर्ति की निरंतरता के लिए घरेलू कोयला संसाधनों की उपलब्धता महत्वपूर्ण है।

प्रकृति का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी: मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । पर्यावरण संरक्षण और हरियाली संवर्धन के संदेश के साथ आज कुंवरपुर, लखनपुर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने कार्यक्रम में पौधरोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता हैं।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी ओर से एक अनमोल उपहार है। पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। हमें पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प लेना होगा। जब जनभागीदारी के साथ हर व्यक्ति अपने आसपास हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगा, तभी हम एक स्वच्छ, सुंदर और संतुलित पर्यावरण का निर्माण कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा और बदलता पर्यावरणीय स्वरूप हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और गंभीरता से समझने का संदेश दे रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनका संरक्षण करना समय की आवश्यकता है।

पौधरोपण के साथ संरक्षण का भी लें संकल्प: मंत्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक पौधे को वृक्ष बनने में कई वर्ष लगते हैं, इसलिए उसकी सुरक्षा और देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पौधरोपण करना। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पौधों की संख्या बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसे वृक्ष तैयार करना होना चाहिए जो आने वाले वर्षों में समाज को स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर पर्यावरण प्रदान करें। हर परिवार यदि कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी जिम्मेदारी लेने का संकल्प करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

हरियाली बढ़ाने में सामूहिक प्रयास जरूरी: कुंवरपुर में आयोजित कार्यक्रम ने स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ सामूहिक भागीदारी का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने पौधरोपण में सहभागिता करते हुए हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को मजबूत किया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति हमें जीवन देती है और अब प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभाने का समय हमारा है। हम सभी मिलकर अपने गांव, शहर और जिले को अधिक हरा-भरा बनाने का प्रयास करें। शुद्ध वातावरण और बेहतर जीवन देना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर, खेत, विद्यालय, सार्वजनिक स्थलों और उपलब्ध अन्य स्थानों पर पौधरोपण करें तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करें। जनभागीदारी से चलाया गया पर्यावरण संरक्षण का अभियान निश्चित रूप से दूरगामी परिणाम देगा। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री साहू, जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष शशिकला सिंह, जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, पार्षद दिनेश साहू, सुभाष अग्रवाल,राजेंद्र जायसवाल, सुरेश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आधुनिक और नगदी फसलों की खेती ने बदली छत्तीसगढ़ के किसानों की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान लंबे समय से धान के कटोरे के रूप में रही है, लेकिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरकार की पहल से राज्य की कृषि अब पारंपरिक पहचान से आगे बढ़ रही है। खेत में बेहतर उत्पादन से लेकर आधुनिक तकनीक, सिंचाई, फसल विविधीकरण, प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच बनाने की कोशिशों ने खेती को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के व्यापक बदलाव का माध्यम बना दिया है। इसका असर फसल उत्पादन के साथ-साथ बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है।

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक धान की खेती के अलावा अदरक, गेंदा फूल, बागवानी, और मछली पालन जैसी आधुनिक और नगदी फसलों की खेती से किसानों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। किसान अब केवल धान तक सीमित न रहकर अदरक, गेंदा और अन्य फूलों की खेती से प्रति एकड़ लाखों रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं।

युवा किसान मछली पालन, मुर्गी पालन और बागवानी को एक साथ जोड़कर खेतों को आय का मुख्य केंद्र बना रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक, ऑटोमैटिक रीपर और आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से श्रम लागत कम हो रही है और पैदावार बढ़ रही है।

विष्णु देव साय की सरकार के ढाई वर्षों से ज्यादा के शासन में राज्य में खेती का रकबा बढ़ने के साथ उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खरीफ फसलों के उत्पादन में करीब 17 प्रतिशत और रबी फसलों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बदलाव केवल अधिक भूमि पर खेती होने का परिणाम नहीं है, बल्कि बेहतर बीज, उर्वरक, सिंचाई और कृषि यंत्रीकरण तक किसानों की बढ़ती पहुंच भी इसकी महत्वपूर्ण वजह है।

कृषि नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष किसान की आय और फसल चयन से जुड़ा है।किसानों को उत्पादन के साथ आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में भी पिछले ढाई वर्षों में उल्लेखनीय काम हुआ है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत खरीफफसल के धान पर न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़ी आदान सहायता के रूप में 24,73,762 किसानों को 13,289 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। गन्ना प्रोत्साहन योजना के तहत 1 करोड़ 3 लाख 34 हजार क्विंटल से ज्यादा गन्ने की खरीदी कर 32 हजार 955 किसानों को 64.95 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। फसल बीमा के दायरे में भी खरीफ सीजन में 15.92 लाख से अधिक तथा रबी सीजन में 2.99 लाख किसानों को शामिल किया गया। किसानों को उत्पादन के साथ आर्थिक सुरक्षा देने के लिए विष्णु देव साय सरकार की कृषक उन्नति योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खरीफ 2023 से 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 35,892.90 करोड़ रुपये की सहायता राशि ट्रांसफर की गई है। धान छत्तीसगढ़ की मुख्य फसल है, इसीलिए छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। मगर अब राज्य सरकार फसलों के विविधीकरण पर जोर दे रही है ताकि किसान अन्य फसलों का भी उत्पादन कर सकें। फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रोत्साहन राशि के रूप में किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ दे रही है।

इस योजना के तहत किसानों को अरहर, मूंग, उड़द और चना जैसी दलहन फसलेंतथा सोयाबीन, मूंगफली, सूरजमुखी और तील जैसी तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके अलावा मक्का, कपास और कोदो, कुटकी, रागी व बाजरा जैसे मोटे अनाजों की खेती करने पर भी इस राशि का लाभ मिलेगा।

किसानों की आय को मजबूत करने के साथ जोखिम कम करने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के 24.63 लाख किसानों को 23वीं किस्त के रूप में 493 करोड़ रुपये सहित अब तक 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। खेती में नई तकनीकों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ के किसान इन तकनीकों को अपनाने में पीछे नहीं हैं।

शरवरी ने 'मैं वापस आऊंगा' के अनुभव को बताया खास

बोलीं- इम्तियाज अली के साथ काम करना बड़ी बात

अभिनेत्री शरवरी ने फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इस फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करना उनके लिए बेहद सुखद और यादगार रहा। उन्होंने बताया कि फिल्म ने उन्हें एक अलग दौर और दुनिया में जाने का मौका दिया, जहां उन्होंने अपने अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई।

शरवरी के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास रही, क्योंकि इम्तियाज अली के साथ यह उनका पहला काम था। उन्होंने कहा कि इम्तियाज अली के साथ काम करने की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी और उनके निर्देशन में काम करने का अवसर मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। शरवरी ने फिल्म के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस फिल्म पर काम करने में बहुत आनंद आया। इम्तियाज अली के साथ-साथ नीलम और संजय के साथ भी उन्होंने पहली बार काम किया। अभिनेत्री के मुताबिक, पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद अच्छा रहा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत खूबसूरत थी।

उन्होंने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें ऐसी दुनिया में प्रवेश करने का मौका मिला, जहां लोगों के पहनावे से लेकर आसपास के वातावरण तक सब कुछ अलग था। इस नई दुनिया का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद दिलचस्प अनुभव रहा।

शरवरी ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार उनके पहले निभाए गए किरदारों से काफी अलग था। उस दौर की जीवनशैली, पहनावे और वातावरण को समझते हुए किरदार में ढलना उनके लिए एक नया अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि उस पूरी दुनिया में खो जाना उन्हें एक अलग तरह का सुकून देता था। फिल्म के वातावरण और किरदार के साथ जुड़ने के दौरान उन्हें एक अलग समय और समाज को करीब से महसूस करने का अवसर मिला।

इम्तियाज अली के काम की प्रशंसक रहीं शरवरी ने कहा कि वह लंबे समय से उनके काम को पसंद करती रही हैं। उनके साथ काम करने का अवसर मिलना अभिनेत्री के लिए बहुत बड़ी बात रही।

उन्होंने इस अवसर के लिए इम्तियाज अली के प्रति आभार जताया और कहा कि उनके निर्देशन में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा।

'मैं वापस आऊंगा' वर्ष 1947 में हुए भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कालखंड प्रेम कहानी है। फिल्म की कहानी जिया और कीनू के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें शरवरी ने जिया की भूमिका निभाई है, जबकि वेदांग रैना उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आए हैं।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ का किरदार अपने दादा की वर्षों पुरानी अधूरी प्रेम कहानी का सच जानने की कोशिश करता है। कहानी को उस दौर के सामाजिक और भावनात्मक परिवेश से जोड़ने के लिए फिल्म में पहनावे, वातावरण और दृश्य प्रस्तुति पर विशेष ध्यान दिया गया है।

'मैं वापस आऊंगा' का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के जरिए विभाजन के दौर की प्रेम कहानी और उस समय से जुड़े भावनात्मक पहलुओं को पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

वन के बाद इन 5 फिल्मों में दिखेगा तमन्ना भाटिया का अलग अंदाज

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया जल्द ही फिल्म वन में नजर आएंगी। यह फिल्म 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसमें वह बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई देंगी। फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और सुनील ग्रोवर भी अहम भूमिकाओं में हैं। वन की रिलीज से पहले आइए जानते हैं, तमन्ना की आने वाली दूसरी फिल्मों के बारे में, जिनका दर्शकों को इंतजार है।

एक्शन-एडवेंचर फिल्म रेंजर 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना बिल्कुल अलग भूमिका में दिखाई देंगी। वहीं फिल्म में तमन्ना के साथ अजय देवगन और संजय दत्त नजर आए थे।

तमन्ना, अर्चित कुमार और निशांत नाइक के साथ मिलकर डेयरिंग पार्टनर्स शो में काम करने वाले हैं। इस शो में डायना पेंटी भी हैं, और नकुल मेहता व जावेद जाफरी अहम भूमिकाओं में हैं।

स्त्री 2 में तमन्ना एक गाने में नजर आई थीं। उन्हें लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो इसके तीसरे भाग में भी दिखाई देंगी। हालांकि, इसका आधिकारिक ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

फिल्म बोले चूड़ियां साल 2026 के आखिरी तक रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

तमन्ना, अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्मों की दुनिया में बहुप्रतीक्षित कॉमेडी सीक्वल नो एंट्री 2 के साथ कदम रखेंगी। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगे। इसकी रिलीज की तारीख का अभी तक खुलासा नहीं हुआ।

कैटरीना के डांस को कोरियोग्राफर ने बताया था जीरो, फराह खान ने किया बचाव

बॉलीवुड में बेहतरीन डांसर्स में से एक मानी जाने वाली अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने वर्षों से न सिर्फ अपनी अदाकारी से दर्शकों को प्रभावित किया है, बल्कि अपने डांस से उनका दिल जीता है। वह 'शीला की जवानी', 'काला चश्मा' और 'चिकनी चमेली' जैसे गानों में अपने शानदार डांस मूव्स के लिए मशहूर हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में कोरियोग्राफर बॉस्को ने उस घटना को याद किया जब एक दूसरे कोरियोग्राफर ने कैटरीना को जीरो डांसर कहा था। बॉलीवुड कोरियोग्राफर बॉस्को और सीजर ने फराह खान के साथ अपना पहला पॉडकास्ट एपिसोड यूट्यूब पर शेयर किया। वे कैटरीना के डांस में समय के साथ आए सुधार पर चर्चा कर रहे थे। इस बीच बॉस्को ने बताया कि शुरुआत में जब कैटरीना ने अपना करियर शुरू किया था, तो एक कोरियोग्राफर ने उन्हें बुरी तरह बेइज्जत किया था।

बॉस्को ने कहा, 'उनके (कटरीना) साथ भी कई ऐसी घटनाएं हुईं जहां उन्होंने बहुत मेहनत की, लेकिन एक कोरियोग्राफर ने कैटरीना से कहा, 'तुम डांस में जीरो हो, इसलिए तुम्हें यह छोड़ देना चाहिए'। यह सुनकर फराह हैरान रह गईं और कहा, 'बेचारी, वह जीरो तो नहीं रही होगी, शायद 4 या 5 रही होगी, लेकिन 'शीला की जवानी' के बाद वह 9 या 10 हो गई। उसके बाद 'चिकनी चमेली' और 'काला चश्मा' आए।'

बॉस्को और सीजर फराह की बात से सहमत थे और उन्होंने 'शीला की जवानी' में कैटरीना के शानदार परफॉर्मेंस को माना। इस कोरियोग्राफर जोड़ी ने पहले 'रेस' फिल्म के गाने 'टच मी' में कैटरीना के साथ काम किया था।

कैटरीना ने एक बार बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में बताया था कि उनसे कहा गया था कि वह डांस नहीं कर सकतीं। इस आलोचना ने उनके आत्मविश्वास पर इतना बुरा असर डाला कि उन्हें लगने लगा कि वह कभी अच्छी डांसर नहीं बन पाएंगी। कैटरीना के अनुसार, बॉस्को ने उन्हें यह भरोसा दिलाकर उनका नजरिया बदलने में मदद की कि वह एक अच्छी डांसर हैं और उन्हें बस खुद पर काम करने की जरूरत है। उनके प्रोत्साहन से उन्हें आखिरकार आत्मविश्वास मिला और उन्होंने अपने स्किल्स में सुधार किया।

8वें दिन कालीन भैया को झटका, 'हनुमान अंश' ने बुरी तरह पटका, टॉक्सिक को सूंघा

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 'मिर्जापुर द मूवी' को रिलीज के बाद पहली बार तगड़ा झटका लगा है। पहले हफ्ते में जहां सातों दिन यह फिल्म लगातार 'हनुमान अंश' से अधकि कमाई कर रही थी, वहीं दूसरे शुक्रवार को नीम करोली बाबा पर बनी भक्ति-ड्रामा ने इसे पटखनी दी है। 'हनुमान अंश' ने चौंकाते हुए 'मिर्जापुर द मूवी' से 1 करोड़ अधिक का नेट बिजनस किया है।

हालांकि, पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल और दिव्येंदु की यह गैंगस्टर-थ्रिलर अभी भी बहुत अच्छी स्थीति में है। खासकर, 'हैवान' की फ्लॉप ओपनिंग का सीधा फायदा अब वीकेंड में 'मिर्जापुर द मूवी' को मिलने वाला है। इस बीच, यश की 'टॉक्सिक' की सिट्टी-पिट्टी गुम हो चुकी है।

शुक्रवार, 11 सितंबर को रिलीज हुई अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' पहले ही दिन पस्त हो गई है।

प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने महज 3.00 करोड़ की नेट कमाई की है। जबकि 'हनुमान अंश' ने रिलीज के 36वें दिन धमाकेदार 10.50 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। इस तरह 'हनुमान अंश' ने जहां देश में 173.63 करोड़ की नेट कमाई कर ली है, वहीं ग्रॉस कमाई 205.15 करोड़ तक पहुंच गई है।

'मिर्जापुर द मूवी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

पहले हफ्ते में शानदार 148.45 करोड़ का नेट बिजनस करने वाली 'मिर्जापुर द मूवी' ने शुक्रवार को 8वें दिन 6763 शोज से 9.50 करोड़ कमाए हैं। गुरमीत सिंह के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन 188.19 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 157.95 करोड़ हो गया है। हालांकि, यह अभी भी अपने 250 करोड़ के बजट से 93 करोड़ दूर है।

'मिर्जापुद द मूवी' की कमाई में अब वीकेंड में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुक्रवार को कमाई गिरी जरूर है, लेकिन बावजूद इसके सिनेमाघरों में फिल्म के शोज में 29.0% की ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई है। यह वीकडेज के लिहाज से बहुत अच्छी मानी जा सकती है। जिस तरह से 'हैवान' बॉक्स ऑफिस पर पिटी है, वीकेंड में दर्शकों का रुझान एक बार फिर कालीन भैया, गुड्डू भैया और मुन्ना भैया के भौकाल की ओर रहने वाला है।

'टॉक्सिक' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

दूसरी ओर, यश की 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' अब अपना बोरिया बिस्तर समेटने की मुद्रा में आ गई है। रिलीज के 17वें दिन गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी 'टॉक्सिक' ने 274 शोज और पांच भाषाओं में महज 26 लाख की नेट कमाई की है। इससे भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन 296.60 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 248.50 करोड़ तक पहुंचा है। जबकि विदेशों में अब तक हुई 43.50 करोड़ की ग्रॉस कमाई को जोड़ दें तो 'टॉक्सिक' ने वर्ल्डवाइड 340.10 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है।

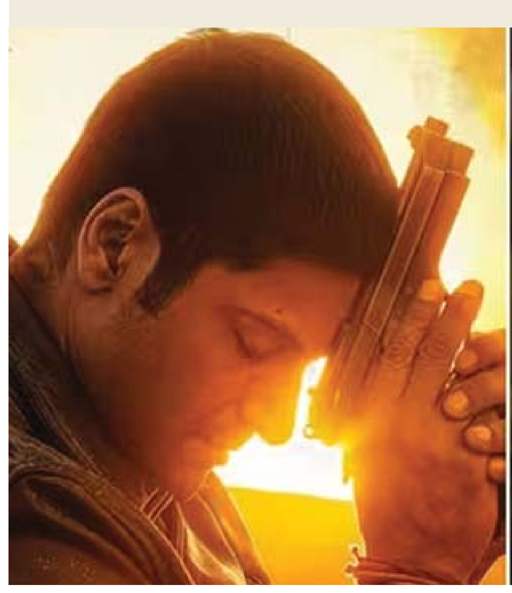

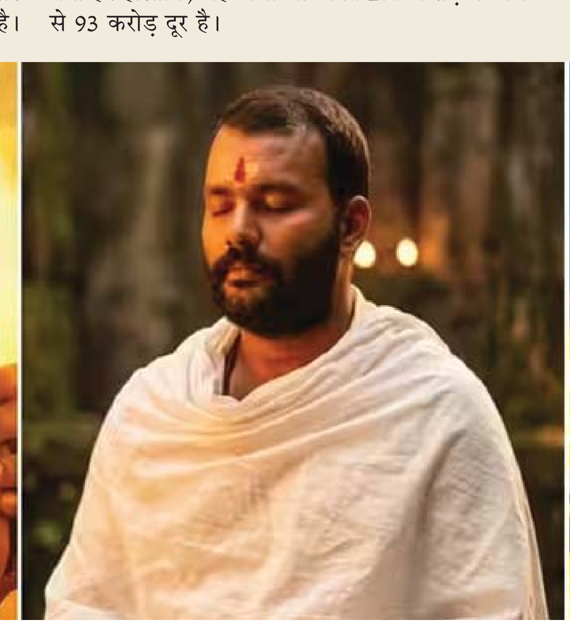

फिट रहने के लिए रोजाना करें माइंडफुल स्क्वाट, जानिए इसे करने का तरीका

माइंडफुल स्क्वाट एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल आपके शरीर को मजबूत बनाती है, बल्कि मन को भी शांत रखती है। इस एक्सरसाइज को करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और तनाव भी कम होता है। इसे सही तरीके से करने पर शरीर को पूरा फायदा मिलता है। आइए जानते हैं कि इस एक्सरसाइज को करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही तरीके से खड़े होना जरूरी

माइंडफुल स्क्वाट करते समय सबसे पहले सही तरीके से खड़े होना बहुत जरूरी है। आपके पैर कंधों की चौड़ाई पर हों और हल्का झुकाव रखें। इससे आपका शरीर संतुलित रहेगा और आप एक्सरसाइज को सही तरीके से कर पाएंगे। यह भी ध्यान दें कि सिर सीधा रहे और आंखें सामने की ओर हों। इस स्थिति में खड़े होने से शरीर को सही संतुलन मिलता है और आप आसानी से स्क्वाट कर सकते हैं।

गहरी सांस लेना न भूलें

स्क्वाट शुरू करने से पहले गहरी सांस लेना बहुत जरूरी है। इससे शरीर में हवा का प्रवाह सही रहता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। सांस को गहराई से लें और धीरे-धीरे छोड़ें, ताकि आप एक्सरसाइज के दौरान आराम महसूस करें और थकावट जल्दी न हो।

धीरे-धीरे नीचे झुकें

स्क्वाट करते समय धीरे-धीरे नीचे झुकना बहुत जरूरी है ताकि मांसपेशियों पर सही दबाव पड़े। नीचे झुकते समय ध्यान रखें कि आपके घुटने और पैर एक सीध में रहें। इससे पीठ सीधी रहेगी और किसी भी तरह की परेशानी या चोट से बचा जा सकेगा।

धीरे-धीरे झुकने से मांसपेशियां बेहतर तरीके से सक्रिय होती हैं और इसका असर ज्यादा असरदार होता है।

नीचे रुककर मांसपेशियों को सक्रिय करें

नीचे की स्थिति में कुछ पल रुकना माइंडफुल स्क्वाट का अहम हिस्सा है। इस दौरान मांसपेशियों पर दबाव बनता है और वे बेहतर तरीके से सक्रिय होती हैं।

नीचे रुकते समय ध्यान रखें कि आपका शरीर स्थिर रहे और संतुलन बना रहे। यह अभ्यास आपकी ताकत को बढ़ाने और सहनशक्ति में सुधार करने में मदद करता है।

वापस ऊपर उठने का सही तरीका

स्क्वाट के दौरान नीचे झुकने के बाद, धीरे-धीरे ऊपर उठें और अपनी शुरुआती स्थिति में लौटें। ध्यान रखें कि ऊपर आते समय आपका शरीर सीधा और संतुलित रहे।

इस प्रक्रिया को बार-बार करें ताकि मांसपेशियां मजबूत हों और आप बेहतर परिणाम पा सकें। माइंडफुल स्क्वाट एक आसान और असरदार तरीका है, जो शरीर को मजबूत बनाने और मन को शांति देने में मदद करता है।

'हुंकार' की रिलीज से पहले अनीत पड्डा ने शेयर की नई तस्वीरें

अभिनेत्री अनीत पड्डा अपनी अपकमिंग सीरीज 'हुंकार' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी हुआ है। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री काफी खूबसूरत लग रही हैं।

अनीत पड्डा की पोस्ट में क्या है?

अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने वेस्टर्न आउटफिट पहना है और अपने बाल खोले हुए हैं। उन्होंने ब्लैक जूती से अपने लुक को पूरा किया है। अभिनेत्री ने हलकी ज्वेलरी पहनी है।

अनीत पड्डा का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' में नजर आई थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 'सैयारा' से मिली थी। इसमें उनके साथ अहान पांडे थे। जल्द ही वह फिल्म 'शक्ति शालिनी' का हिस्सा होंगी।

कब रिलीज होगी सीरीज?

अनीत पड्डा की नई वेब सीरीज 'हुंकार' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें वह बापजी के खिलाफ आवाज उठाती हैं, जो बहुत प्रभावशाली है। सीरीज में उनके साथ फातिमा सना शेख हैं, जो केस की जांच करती हैं। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

खास खबर

कलेक्टर के निर्देश पर सड़कों के मरम्मत कार्य में तेजी

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले में सड़कों की स्थिति में सुधार लाने तथा नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सड़कों के मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य में तेजी लाई गई है। जिले के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का सतत निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों का चिन्हांकन किया जा रहा है तथा प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इसी कड़ी में नेशनल हाईवे मार्ग सुंदरा से ग्राम सुंदरा बस्ती तक, ग्राम सोमनी से परमालकसा-ठेकवा मार्ग तथा ग्राम देवादा से ग्राम टेडेसरा तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों में आवश्यक मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य कराया गया है। सड़कों पर बने गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत से इन मार्गों पर आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम एवं सुरक्षित हुआ है। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले की सड़कों का नियमित निरीक्षण किया जाए और जहां कहीं भी सड़क क्षतिग्रस्त पाई जाती है, वहां प्राथमिकता के साथ मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य कराया जाए।

महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक मजबूती, मुख्यमंत्री साय के प्रति जताया आभार

कोरबा। गाँव की सड़क किनारे सुबह से शाम तक मेहनत कर उड़द दाल के बड़े बेचने वाली ज्योति यादव के लिए एक हजार रुपये की अहमियत वही समझ सकता है, जिसने एक-एक रुपये जोड़ने के लिए पसीना बहाया हो। दाल खरीदने से लेकर उसकी सफाई, भिगोने, पीसने और फिर गरमा-गरम बड़े तैयार करने तक ज्योति की दिनचर्या कठिन मेहनत से भरी है। कई बार पूरे दिन मेहनत करने के बाद भी दो-तीन सौ रुपये की ही कमाई हो पाती है। ऐसे में हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनके लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। कोरबा विकासखंड के ग्राम पंचायत अजगरबहार में सड़क किनारे छोटा सा नाश्ते का होटल संचालित करने वाली ज्योति यादव पिछले एक दशक से अधिक समय से उड़द दाल के बड़े बनाकर अपने परिवार की आजीविका में सहयोग कर रही हैं। बड़े सिलबट्टे पर दाल पीसकर तैयार किए गए उनके स्वादिष्ट बड़े और मिर्ची-इमली की चटनी राहगीरों को खूब पसंद आती है।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने प्रदेशभर में तैयारियां तेज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा, समर्पण और जनकल्याणकारी नेतृत्व की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर प्रदेशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस एक माह के अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धमतरी जिले में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। समिति का गठन कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

सेवा संकल्प अभियान को जनांदोलन बनाने जुटेगा गरियाबंद जिला

मंत्री दयालदास बघेल ने जनप्रतिनिधियों एवं जिला अधिकारियों की ली बैठक लेकर, हितग्राहियों को मौके पर मिलेगा योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने गरियाबंद के विश्राम गृह में जनप्रतिनिधियों, जिला संगठन पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के अभियान को शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों की सहभागिता एवं बेहतर समन्वय के साथ व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप दिया जाए।

प्रभारी मंत्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और समर्पण की यात्रा देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों की यात्रा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने निरंतर कार्य करते हुए देश को विकास की नई दिशा दी है। अब वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से अभियान को पूरी सक्रियता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान की सभी गतिविधियां तिथिवार कैलेंडर के अनुसार आयोजित हों तथा सभी नोडल विभाग सक्रिय रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंड, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत और गांव स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में छत्तीसगढ़ भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी, वरिष्ठ नागरिक अनिल चंद्राकर, अमित चिमनानी, कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसपी वेदव्रत सिरमौर, डीएफओ मयंक पांडे, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, श्रीमती त्रप्ता ठाकुर, नवीन भगत सहित जिला संगठन पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री बघेल ने 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को विशेष रूप से भव्य एवं व्यापक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर की शाम शाम 7 बजे देशभर में एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। गरियाबंद जिले में भी अधिक से अधिक परिवारों को इस अभियान से जोड़ते हुए दीप प्रज्ज्वलन कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों जैसे भूतेश्वर नाथ मंदिर परिसर, राजिम त्रिवेणी संगम आदि में वृहद दीप प्रज्वलन किया जाए। उन्होंने मंदिरों में भी सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन कराने, शासकीय संस्थानों में दीप जलाने तथा नागरिकों को अपने घरों में दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने पर्याप्त संख्या में दीप की व्यवस्था करने तथा लोगों को घर-घर संपर्क कर दीप प्रज्वलन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम की फोटो एवं वीडियो कवरेज भी प्रभावी तरीके से कराई जाए, ताकि इस व्यापक जनभागीदारी का संदेश जिले और प्रदेश तक पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर आयोजन को भव्य स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया।

17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' के तहत भाषण एवं ड्राइंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रतियोगिताओं का विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा कार्यों और विकसित भारत की परिकल्पना से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से जनधन खाता, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सड़क एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं से आए बदलावों को रचनात्मक रूप में सामने लाया जाए। उत्कृष्ट रचनाओं की प्रदर्शनी लगाकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के खातों में प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता पहुंच रही है। प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने तथा भारतमाला एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी परियोजनाओं से बेहतर सड़क संपर्क विकसित करने का कार्य हो रहा है। इन बदलावों को आमजन तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

एमपी एमएससी सीनियर वुमेंस टी-20 ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ उपविजेता

फाइनल में झारखंड ने छत्तीसगढ़ को 16 रन से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमपी एमएससी सीनियर वुमेंस आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला 12 सितंबर को मीराज क्रिकेट मैदान, उदयपुर में छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में झारखंड ने छत्तीसगढ़ को 16 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि छत्तीसगढ़ टीम को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

टॉस जीतकर झारखंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार वापसी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 148 रन बनाए। एक समय झारखंड ने 46 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद दुर्गा मुर्मु ने 35 रन, अश्वनी कुमारी ने 35 रन और शिखा ने 30 रन बनाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। दुर्गा मुर्मु और शिखा ने पांचवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण 56 रनों की साझेदारी की। छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजी में उर्मिला हरीना ने 3 विकेट, जबकि प्रीति यादव और श्रद्धा वैष्णव ने 2-2 विकेट हासिल किए। हालांकि शुरुआती विकेट लेने के बाद छत्तीसगढ़ के गेंदबाज मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल नहीं हो सके और झारखंड ने निर्धारित 20 ओवर में 148 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम 19.3 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी। छत्तीसगढ़ की ओर से शुरुआती बल्लेबाज प्रत्युषा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 49 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहा। टीम के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे और अंततः लक्ष्य से 16 रन दूर रह गए। झारखंड की ओर से ममता पासवान ने 4 विकेट, जबकि शिखा और देवयानी प्रसाद ने 2-2 विकेट लेकर छत्तीसगढ़ की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। इस तरह झारखंड ने फाइनल मुकाबला 16 रनों से जीतकर एमपी एमएससी सीनियर वुमेंस आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 का खिताब अपने नाम किया, जबकि छत्तीसगढ़ टीम उपविजेता रही।

गंभीर रीढ़ की बीमारी से जूझ रहे दुर्गा और मिथिलेश को मिला नया जीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के दो बच्चों को गंभीर बीमारी से उबरकर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर बढने का अवसर मिला है। चिरायु टीम राजनांदगांव के प्रयासों से 15 वर्षीय दुर्गा वर्मा और 18 वर्षीय मिथिलेश यादव का नारायणा अस्पताल में सफलतापूर्वक जटिल ऑपरेशन कराया गया। दोनों बच्चे रीढ़ की गंभीर विकृति से पीड़ित थे, जिसके कारण उनके सामान्य जीवन और दैनिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। दुर्गा वर्मा काइफोस्कोलिओसिस तथा मिथिलेश यादव लॉर्डो-काइफोस्कोलिओसिस जैसी गंभीर रीढ़ की विकृति से जूझ रहे थे। बीमारी के कारण उन्हें चलने-फिरने सहित रोजमर्रा के कार्यों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार के लिए मार्गदर्शन मिलने से दोनों बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। दोनों बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान डॉ. कुसुम चंद्रा एवं डॉ. आयुष वतन शर्मा ने उनकी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को पहचाना। विशेषज्ञ उपचार के लिए नारायणा अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दोनों बच्चों की गंभीर एवं जटिल रीढ़ की विकृति का सफल ऑपरेशन किया गया। चिरायु टीम द्वारा बच्चों को उपचार उपलब्ध कराने से लेकर आवश्यक प्रक्रिया और अस्पताल संबंधी कार्रवाही में निरंतर सहयोग किया गया।

फील्ड में जाकर स्कूलों का विजिट करें सभी बीईओ और बीआरसी : कलेक्टर वसंत

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता अभियान, ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता सहित गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बीईओ एवं बीआरसी को नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए। आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा।

पंचायत एजेंसी के माध्यम से शिक्षा विभाग के लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में किचन शेड निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करने तथा जहां किचन शेड उपलब्ध हैं, वहां आवश्यक कार्य प्रारंभ करने कहा।

बिहान की सोलर दीदियों ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता की ओर कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों में ग्रामीण स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा पहलों के तहत सोलर दीदी के रूप में अपनी एक मजबूत पहचान बना रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अब सोलर दीदी के रूप में पहचान बना रही हैं। सोलर दीदी हर घर रोशनी, हर हाथ रोजगार के संकल्प के साथ यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगा। सेवा संकल्प को आदर्श मानकर यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगा। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम दसरमा में हितग्राही तारनी घृतलहरे के घर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है।

यह पूरी कार्ययोजना कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं जिला पंचायत बलौदाबाजार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को केवल योजनाओं के लाभ तक सीमित न रखकर, उन्हें सौर ऊर्जा आधारित तकनीकी कार्यों में रोजगार व उद्यमिता से जोड़ना है। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बिहान के तहत गठित संकुल स्तरीय संगठन ने स्वयं को आधिकारिक सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत कराया है। वेंडर पंजीयन के बाद अब बिहान की प्रशिक्षित सोलर दीदियां सीधे ग्राउंड लेवल पर जाकर हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल लगाने का कार्य संभाल रही हैं। सोलर दीदियों द्वारा किए जा रहे इस कार्य से ग्रामीण महिलाओं में तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक कौशल का विकास हो रहा है।

बलरामपुर जिले के 6 हजार 968 परिवारों को मिला अपना पक्का आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में ग्रामीण विकास और आवासहीन जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल 2026 से अब तक पूर्ण हुए कुल 6 हजार 968 नवनिर्मित आवासों का भव्य एवं सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम 11 सितंबर 2026 को पूरे जिले में बेहद उत्साह के साथ संपन्न हुआ। आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान से पहले हजारों परिवारों का अपने पक्के घर में प्रवेश करना जिले के लिए एक विशेष उपलब्धि बन गया है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सभी विकासखंडों में पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में पारंपरिक रीति-रिवाजों और पूजा-अर्चना के साथ हितग्राहियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। वर्षों तक कच्चे मकानों और झोपड़ियों में जीवन बिताने वाले परिवारों के लिए यह पल बेहद भावुक और गौरव से भरा हुआ था। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विकासखंड रामचन्द्रपुर में 2,276 आवास, विकासखंड वाड्रफनगर 1 हजार 772 आवास, विकासखंड कुसमी 1 हजार 215 आवास, विकासखंड बलरामपुर 1 हजार 142 आवास, विकासखंड राजपुर 353 आवास और विकासखंड शंकरगढ़ 210 पक्का आवास पूर्ण कराए गए हैं। गृह प्रवेश करने वाले सभी हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि पक्का आवास केवल ईंट-गारे का ढांचा नहीं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

शिकायत से समाधान तकः सीएम हेल्पलाइन ने 24 घंटे में लौटाई ग्रामीणों की पेयजल सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन की सुशासन नीति और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शासन की इसी प्रतिबद्धता का प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 'विष्णु का सुशासन' केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष सकारात्मक बदलाव लाने वाली व्यवस्था के रूप में साकार हो रहा है।

इसी सुशासन की प्रभावी मिसाल मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत रटगा में देखने को मिली, जहां एक ग्रामीण की पेयजल संबंधी समस्या का समाधान शिकायत दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। ग्राम रटगा निवासी श्री संत राम ने अपने आसपास खराब पड़े हैंडपंप की समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले ने बिना विलंब मौके पर पहुंचकर खराब हैंडपंप का निरीक्षण किया और आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया। विभागीय टीम की तत्परता से महज 24 घंटे के भीतर हैंडपंप को दुरुस्त कर पुनः चालू कर दिया गया।

हैंडपंप के चालू होने से संत राम सहित आसपास के ग्रामीणों को अब आसानी से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पेयजल की समस्या दूर होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। साथ ही, त्वरित निराकरण से ग्रामीणों के बीच शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

समस्या के शीघ्र समाधान से प्रसन्न श्री संत राम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हैंडपंप खराब होने से हम लोगों को पानी के लिए काफी परेशानी हो रही थी। मैंने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद विभाग के कर्मचारी तुरंत पहुंचे और 24 घंटे के अंदर हैंडपंप ठीक कर दिया गया। अब हम लोगों को फिर से आसानी से पानी मिल रहा है। इतनी जल्दी समस्या का समाधान होने से हमें बहुत खुशी हुई है। सीएम हेल्पलाइन आम लोगों के लिए बहुत उपयोगी व्यवस्था है। मैं मुख्यमंत्री जी और जिला प्रशासन का धन्यवाद करता हूं।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़ी समस्याओं का समय पर निराकरण आम नागरिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रटगा में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर संबंधित विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई किए जाने से यह स्पष्ट हुआ कि शिकायतों के निराकरण के लिए प्रशासनिक तंत्र लगातार सक्रिय है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का सरल माध्यम उपलब्ध हुआ है।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कैफे में कर्मचारी ने लगाई फांसी, फंदे पर लटकी मिली लाश

धमतरी। बिलाई माता रोड स्थित 'जेल' कैफे में काम करने वाले एक युवक की फांसी पर लटकी लाश मिली। इसके बाद कैफे संचालक और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में शव के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस कैफे संचालक और वहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। घटना से जुड़े हर संभावित पहलू की जांच की जा रही है।

हाथी ने दौड़ाया तो टावर पर जा चढ़े कर्मचारी

कोरबा। जिले के बंजारी परिसर के जंगल में हाथियों की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। ग्राम बंजारी में टावर लाइन के नीचे साफ-सफाई का काम करने के लिए कर्मचारी पहुंचे थे। जंगल की ओर से अचानक हाथियों का दल वहां पहुंच गया और कर्मचारियों के काफी करीब आ गया। हाथियों को अपनी ओर आता देखकर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों ने तत्काल बिजली टावर के ढांचे पर चढ़कर अपनी जान बचाई। इस दौरान हाथियों का दल काफी देर तक टावर लाइन के नीचे ही विचरण करता रहा। बंजारी परिसर के परिसर रक्षक ऋषभ राठौर तथा हाथी मित्र दल के राजेश त्रिवेदी और अशोक बिंझवार मौके पर पहुंचे। वन अमले और हाथी मित्र दल ने स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद सावधानीपूर्वक कर्मचारियों को टावर से नीचे उतारा गया और उन्हें सुरक्षित घटनास्थल से बाहर निकाला गया।

अंधे कत्ल का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। ग्राम मरहट्टा मनवारडांड में श्रीलाल अगरिया पिता धनुकधारी उम्र 35 वर्ष निवासी पलड़ा थाना प्रतापपुर हाल मुकाम ग्राम दुरती को किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से हत्या कर दिया है। थाना प्रतापपुर पुलिस की विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि 1 सप्ताह पहले मृतक का आनंद अगरिया के साथ वाद-विवाद हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर संदेही आनंद अगरिया पिता दलपति उम्र 35 वर्ष निवासी कनकनगर थाना प्रतापपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि आपसी रंजीश के कारण कुल्हाड़ी से प्रहार कर श्रीलाल की हत्या कर दिया है। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी प्रतापपुर अनूप एक्का के मार्गदर्शन में निरीक्षक दिनेश पुरैना, नरेन्द्र सिंह, पीएसआई विकास गजेन्द्र, एएसआई माधव सिंह, राजेश यादव, प्रधान आरक्षक योगेन्द्र भगत, आरक्षक अशोक कनौजिया, राजकुमार पासवान, राजेश तिवारी व जयप्रकाश पन्ना सक्रिय रहे।

रेलवे की टिकट चेकिंग में 543 यात्री पकड़े: दो दिन की कार्रवाई में 3.81 लाख रुपए जुर्माना वसूला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिना टिकट ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों पर रेलवे ने कार्रवाई की है। रायपुर और तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार और शनिवार को दो दिन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 543 यात्री बिना टिकट, गलत टिकट, ज्यादा सामान और गंदगी फैलाते पकड़े गए।

रेलवे ने इनसे कुल 3 लाख 81 हजार 320 रुपए का जुर्माना वसूला। इनमें अकेले बिना टिकट सफर करने वाले 297 यात्री थे। रायपुर स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म के साथ 16 ट्रेनों और तिल्दा-नेवरा स्टेशन पर 6 ट्रेनों में टिकट चेक किए गए।

चेकिंग के दौरान 297 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए। इनसे रेलवे ने 2 लाख 54 हजार 690 रुपए

वसूले। इसके अलावा 155 यात्री गलत या अनियमित टिकट के साथ यात्रा करते मिले। इनसे 89 हजार 674 रुपए वसूले गए। 89 यात्री तय सीमा से ज्यादा सामान लेकर यात्रा कर रहे थे। इनसे 10 हजार 445 रुपए लिए गए। वहीं, ट्रेन या रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने के 2 मामलों में 2 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इस अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद, मुख्य टिकट निरीक्षक और टिकट चेकिंग से जुड़े अधिकारियों के साथ 19 टिकट चेकिंग कर्मचारी और 2 RPF जवान शामिल रहे।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि ट्रेन में सफर करने से पहले सही टिकट जरूर लें। स्टेशन पर जाने के लिए प्लेटफॉर्म टिकट जरूरी हो तो उसे भी खरीदें। ट्रेन और स्टेशन परिसर में गंदगी न फैलाएं।

कीटनाशक डीलर से 65.68 लाख की धोखाधड़ी का आरोप, तीन लोगों पर केस

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग में आगरा की विक्रांत एग्रोकेम इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के 3 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में नेवई थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत रिसाली निवासी राजेन्द्र सिंह ने कंपनी की संचालक मिथलेश शर्मा, उनके पति रामानुज शर्मा और जोनल मैनेजर विष्णु प्रसाद धीवर के खिलाफकी है। राजेन्द्र सिंह ने 65 लाख 68 हजार 423 रुपए की धोखाधड़ी का दावा किया है।

शिकायत के मुताबिक, राजेन्द्र सिंह के बेटे हिमांशु सिंह की फर्म पिनाका एसोसिएट्स को 1 जुलाई 2020 को कंपनी ने दुर्ग और रायपुर संभाग में कीटनाशक बेचने के लिए डिस्ट्रीब्यूटर बनाया था। समझौते के तहत कंपनी को गोदाम का 20 हजार रुपए प्रतिमाह किराया और बिक्री पर कमीशन देना था। फर्म ने कंपनी को 10 लाख रुपए अग्रिम दिए थे। इसके बाद जुलाई से दिसंबर 2020 के बीच कंपनी ने करीब 92 लाख 18 हजार 515 रुपए का माल फर्म को दिया। इस दौरान करीब 63 लाख 26 हजार 506 रुपए के माल की बिक्री हुई।

जोनल मैनेजर समेत 4 लोगों को दिया माल

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कंपनी के अधिकृत व्यक्ति रामानुज शर्मा के निर्देश पर जोनल मैनेजर विष्णु प्रसाद धीवर को 33 लाख रुपए का माल दिया गया। इसके अलावा टिकेश ट्रेडर को 4 लाख 98 हजार रुपए, कंपनी के सेल्स मैनेजर भरत लाल को 5 लाख 35 हजार रुपए और महासमुंद की सद्गुरु ट्रेडिंग को 8 लाख 51 हजार 604 रुपए का माल दिया गया।

समझौते के मुताबिक, जो माल नहीं बिकता, उसे कंपनी को वापस लेकर उसके बदले नया माल देना था। आरोप है कि कंपनी ने ऐसा नहीं किया। इससे करीब 28 लाख 92 हजार रुपए के नुकसान का दावा किया गया है।

गोदाम किराया और कमीशन भी नहीं दिया

शिकायतकर्ता के मुताबिक, जुलाई 2020 से जुलाई 2023 तक का करीब 11 लाख 52 हजार रुपए गोदाम किराया और 3 लाख 16 हजार 325 रुपए कमीशन भी कंपनी ने नहीं दिया।

इसके अलावा कंपनी के बिलों में दर्ज क्रमांक बंद होने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे फर्म को कर संबंधी लाभ नहीं मिल सका और करीब 5 लाख रुपए का अतिरिक्त नुकसान हुआ।

शिकायत के मुताबिक, जुलाई 2020 से जनवरी 2021 के बीच कंपनी ने अलग-अलग बैंक खातों से करीब 64 लाख 90 हजार रुपए का भुगतान किया। इसके बावजूद माल, किराया, कमीशन और अन्य लेन-देन का हिसाब करने पर 65 लाख 68 हजार 423 रुपए बकाया होने का दावा किया गया है।

बकाया रकम मांगने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी

19 जून 2025 को रामानुज शर्मा ने फोन कर गोदाम में रखा कंपनी का माल भेजने के लिए कहा। शिकायतकर्ता के मुताबिक, भुगतान का भरोसा मिलने पर करीब 35 लाख 51 हजार रुपए के माल का विवरण भेजा गया। इसके बाद भी भुगतान नहीं किया गया।

राजेन्द्र सिंह का आरोप है कि बकाया रकम मांगने पर उन्हें झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही होगी।

चोरी की खबर देने पर युवक का सिर फोड़ा, गला दबाकर मारने की कोशिश, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के बांकीमोंगरा इलाके में चोरी की जानकारी दुकान मालिक को देना युवक को महंगा पड़ गया। चोरों ने तालाब के पास उसे घेरकर जान से मारने की कोशिश की। आरोपियों ने युवक का गला दबाया और लात-घूंसों से पीटा। इसके बाद हाथ में पहने लोहे के कड़े से उसके सिर पर कई वार किए। खून से लथपथ युवक को मरा समझकर आरोपी वहां से भाग गए।

घटना बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के चाकाबुड़ा छिछमेपारा की है। 23 साल के अजय सिदार ने 10 सितंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 9 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे उसने सल्हियापारा की एक दुकान के पुराने घर से कान्हा अगरिया, बिज्जू और सोनू अगरिया को चोरी का सामान ले जाते देखा था। अजय ने इसकी जानकारी दुकान मालिक को दे दी थी।

अजय के मुताबिक, चोरी की जानकारी देने से आरोपी नाराज थे। बदला लेने के लिए उन्होंने उसी रात करीब 9 बजे तालाब के पास उसे घेर लिया। कन्हैयालाल अगरिया उर्फ कान्हा (19), विजय कुमार अगरिया उर्फ बिज्जू (20), राहुल सिंह अगरिया उर्फ सोनू (20) और एक नाबालिग पहले से वहां घात लगाकर बैठे थे।

आरोपियों ने अजय को देखते ही गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने उससे पूछा कि उसने दुकान मालिक को चोरी की जानकारी क्यों दी। इसके बाद तीनों आरोपियों ने अजय को हाथ-मुक्कों और लातों से पीटा। उन्होंने उसका गला भी दबाया।

नाबालिग आरोपी ने हाथ में पहने लोहे के कड़े से अजय के सिर पर कई वार किए। इससे उसका सिर फट गया और खून बहने लगा। अजय की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए वहां से भाग गए। बांकीमोंगरा पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीनों बालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मीशो डिलीवरी कर्मचारी से दिनदहाड़े लूट तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में मीशो के डिलीवरी कर्मचारी से दिनदहाड़े लूट का मामला सामने आया है। बाइक सवार तीन नकाबपोश युवकों ने रास्ते में डिलीवरी कर्मचारी को रोक लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर उससे 4 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन लूट लिया। वारदात के बाद तीनों बाइक से फरार हो गए।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपी नाबालिग हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस वारदात में इस्तेमाल चाकू और अन्य सामान के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। यह मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, वारदात 1 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे ग्राम गनौद और धमनी के बीच सड़क पर हुई। ग्राम बोडरा, थाना आरंग के खिलावन लोधी ने शिकायत दर्ज कराई। उनका 22 वर्षीय बेटा हितेश लोधी मीशो कंपनी में डिलीवरी का काम करता है।

हितेश डिलीवरी का सामान बड़े पिट्ठू बैग में लेकर ग्राम गनौद गया था। सामान पहुंचाने के बाद वह बाइक से वापस लौट रहा था। तीनों ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। उन्होंने हाथ दिखाकर हितेश को सड़क पर रोक लिया। बदमाशों में से दो बाइक से उतरे और हितेश के डिलीवरी बैग को खींचने लगे। विरोध करने पर एक आरोपी ने चाकू निकालकर उसे धमकाया। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए बैग में रखा पर्स निकाल लिया। पर्स में 4 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन था। मोबाइल की कीमत 21,499 रुपए बताई गई है। इस तरह आरोपी कुल 25,499 रुपए का सामान लेकर फरार हो गए।

घटना के बाद मंदिर हसौद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार तीनों नाबालिग हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है और लूट की पूरी वारदात के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

भतीजे ने फरसी से चाचा का गला रेता, मौके पर मौत, आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली खूनी वारदात सामने आई है। पनगांव में शनिवार की देर रात पारिवारिक विवाद में भतीजे ने अपने ही चाचा की धारदार हथियार फरसी से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि गांव में सन्नाटा और दहशत का माहौल है।

मृतक की पहचान गुलाब सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात गुलाब सिंह का अपनी मां से किसी पारिवारिक बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। दादी और चाचा के बीच बहस होते देख भतीजा दुर्गेश कुमार अचानक आगबबूला हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दुर्गेश ने घर में रखी

धारदार फरसी उठा ली और चाचा गुलाब सिंह पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने फरसी से चाचा के गले पर वार किया, जिससे गला कट गया और अधिक खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तो खून से लथपथ शव देखकर सन्न रह गए। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना कोरबी चौकी पुलिस को दी।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम की तैयारी

सूचना मिलते ही कोरबी चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को सुरक्षित कर फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने बारीकी से साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी ने बताया कि हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। हत्या किन परिस्थितियों में हुई, इसके पीछे क्या कारण था, यह जांच का विषय है। फरार आरोपी दुर्गेश कुमार की तलाश के लिए पुलिस टीम रवाना की गई है। उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

एक ही परिवार में खूनी वारदात से गांव में हड़कंप

इस सनसनीखेज वारदात के बाद पनगांव में हड़कंप मचा हुआ है। एक ही परिवार में हुई इस खूनी वारदात से ग्रामीण स्तब्ध हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नाबालिग से रेप करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक युवक ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर उसके साथ रेप किया। इसके बारे में किसी को बताने पर आरोपी ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के बाद महिला थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है है। मामला दंतेवाड़ा महिला थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, नाबालिग अपनी परिचित महिला के साथ राखी बांधने के लिए उसके मायके गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद आरोपी सोमारू उर्फ समरू मरकाम ने उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ घर ले गया। घर पहुंचने के बाद आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद घटना की जानकारी किसी को देने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की तलाश

घटना के बाद नाबालिग महिला थाना पहुंची और पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी सोमारू उर्फ समरू मरकाम गंजेनार के पाकलू पारा का रहने वाला है। पुलिस टीम उसके घर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

मां पर टोनही होने का शक: बेटे ने डंडे से पीटकर उतारा मौत के घाट

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के झलमला थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़वाही में टोनही होने के संदेह में एक युवक द्वारा अपनी मां की पिटाई करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, मारपीट में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय बतसिया बाई मेरावी की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने उनके बेटे तुलसी राम मेरावी (21) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

लात-घूंसों और लकड़ी के डंडे से किया हमला

पुलिस के मुताबिक घटना 9 सितंबर की रात करीब 10 बजे की है। आरोप है कि तुलसी राम ने अपनी मां पर टोनही होने का संदेह जताते हुए उनके साथ मारपीट की। इस दौरान उसने लात-घूंसों के अलावा लकड़ी के डंडे से भी हमला किया। हमले में बतसिया बाई के शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। छाती पर गंभीर चोट लगने के बाद

उनकी हालत बिगड़ गई और उनकी मौत गई।

पति ने थाने में दी मौत की सूचना

घटना के बाद 11 सितंबर को मृतका के पति सबर सिंह मेरावी ने झलमला थाने में पत्नी की मौत की सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव पंचनामा की कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएचसी रेंगाखार भेजा गया। पुलिस को शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर चोट के निशान मिले।

शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में छाती की चोट बनी मौत की वजह

मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के लोगों और गवाहों के बयान दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, बयानों में सामने आया कि मृतका का बेटा ही उस पर टोनही होने का आरोप लगाकर मारपीट कर रहा था। पोस्टमार्टम के बाद मिली शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में छाती पर लगी गंभीर चोटों को मौत का कारण बताया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले को हत्या के रूप में दर्ज करते हुए जांच आगे बढ़ाई। जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तुलसी राम मेरावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) तथा छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005 की धारा 4 और 5 के तहत अपराध दर्ज किया। पूछताछ के दौरान पुलिस के मुताबिक आरोपी ने घटना के संबंध में जानकारी दी। उसके मेमोरण्डम के आधार पर वारदात में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा यानी चिरान उसके घर से गवाहों की मौजूदगी में बरामद कर जब्त किया गया।

पुलिस ने 12 सितंबर को तुलसी राम मेरावी को विधिवत गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की विवेचना कर रही है।

कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, दुर्ग
E-Mail:- dtic-durg.cg@gov.in & dticdurg@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राधेश्याम शर्मा प्रोप्राईटर मेसर्स लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स, भूखण्ड क्रमांक 11/पी, भारी औद्योगिक क्षेत्र, भिलाई जिला-दुर्ग का दिनांक 24.11.2020 को मृत्यु हो गया है। श्री राधेश्याम शर्मा, प्रोप्राईटर मेसर्स लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स, भूखण्ड क्रमांक 11/पी, भारी औद्योगिक क्षेत्र, भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.) को पट्टे की भूमि जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, दुर्ग द्वारा पूर्व में आबंटित की गई है। इकाई के प्रोप्राईटर श्री राधेश्याम शर्मा का मृत्यु हो जाने के कारण इकाई का स्वामित्व उनके पुत्र श्री दया शंकर शर्मा के नाम पर रक्त संबंधी नामांतरण / हस्तांतरण किये जाने हेतु श्री दया शंकर शर्मा, पिता स्व. राधेश्याम शर्मा, पता- कैलाश नगर, हाउसिंग बोर्ड भिलाई द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, दुर्ग में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: यदि कोई व्यक्ति / सर्वसाधारण / संस्था को यदि उपरोक्त भूमि के पट्टे के अधिकार के नामांतरण/ हस्तांतरण पर यदि कोई आपत्ति है तो कृपया इस आम सूचना के प्रकाशन से 30 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में आपत्ति दर्ज कर सकते है। कृपया ध्यान दें कि संबंधित 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् किसी तरह की आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

मुख्य महाप्रबंधक
जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र
दुर्ग (छ.ग.)

खास खबर

आईटीआई रायगढ़ में रोजगार मेला 16 सितंबर को

रायगढ़। शासकीय आईटीआई बोईरदादर, रायगढ़ में 16 सितंबर को रोजगार मेला आयोजित होगा, जिसमें तीन कंपनियों में कुल 36 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें प्रशिक्षु, फिटर, वेल्डर, डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रशिक्षु और स्नातक प्रशिक्षु के पद शामिल हैं। मेला सुबह 10 बजे से शुरू होगा। रोजगार मेले में जगदंबा स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड में 6 पद, एनआर इंजीनियरिंग वर्क्स में 20 पद और 'हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड में 10 पद उपलब्ध हैं। जगदंबा स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड में विद्युतकार (प्रशिक्षु) के 2, फिटर (प्रशिक्षु) के 2 और ऑपरेटर (प्रशिक्षु) के 2 पद हैं। विद्युतकार पद के लिए आईटीआई विद्युतकार, फिटर के लिए आईटीआई फिटर तथा ऑपरेटर के लिए किसी भी ट्रेड से आईटीआई की योग्यता निर्धारित की गई है। एनआर इंजीनियरिंग वर्क्स' में फिटर के 10 और वेल्डर के 10 पदों पर भर्ती होगी।

नेशनल लोक अदालत में 12 लाख से अधिक प्रकरण निपटे

रायगढ़। वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिला न्यायालय रायगढ़ में किया गया। जिले में आयोजित नेशनल लोक अदालत में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को मिलाकर कुल 12 लाख 7 हजार 255 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत के दौरान कुटुम्ब न्यायालय, रायगढ़ में राजीनामे के आधार पर 05 परिवारों को पुनः दाम्पत्य जीवन में पुनर्स्थापित किया गया। संबंधित परिवारों को उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस पहल से आपसी विवादों के समाधान के साथ परिवारों को पुनः एक साथ आने का अवसर मिला। वर्चुअल माध्यम से भी पक्षकारों की उपस्थिति दर्ज कराई गई और आपसी राजीनामे के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया गया।

जशपुर मेडिकल कालेज में प्रवेश प्रारंभ, प्रथम बैच के लिए प्रथम चरण में 50 सीटों पर 41 का दाखिला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से जशपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। कुनकुरी मेडिकल कॉलेज की स्वीकृत 50 सीटों में से प्रथम चरण में 41 विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है, जबकि शेष सीटों के लिए दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

मेडिकल कॉलेज की 50 सीटों में 42 सीटें राज्य कोटा, 7 सीटें केंद्रीय कोटा तथा 1 सीट सेंट्रल पूल के अंतर्गत भरी जाएगी।

मेडिकल कॉलेज के स्थायी भवन के निर्माण तक झारगांव स्थित पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन में शैक्षणिक गतिविधियां संचालित होंगी। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था है। प्रयोगात्मक एवं व्यावहारिक अध्ययन के लिए जिला चिकित्सालय में

आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। वहीं प्रशासनिक कार्यालय जिला चिकित्सालय के समीप निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर अस्पताल भवन में संचालित किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए प्रोफेसर के 14, एसोसिएट प्रोफेसर के 20 और असिस्टेंट प्रोफेसर के 25 पदों सहित अन्य आवश्यक पदों की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

जशपुर को चिकित्सा शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कुनकुरी के चराईडांड में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के स्थायी भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 359 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। मेडिकल कॉलेज परिसर के साथ यहां 220 बिस्तरों की क्षमता वाले अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

तीजा पोरा तिहार पर 'विष्णु भैया' का घर बना बहनों का मायका

मेहंदी, झूला, फुगड़ी और रस्साकशी से सीएम हाउस हुआ गुलजार

- आज मेरा घर आप सभी बहनों का मायका, मेरे लिए सौभाग्य की बात : साय
- भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और मातृशक्ति के उल्लास का साक्षी बना। बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं, बहनों और बेटियों के स्वागत में मुख्यमंत्री निवास को छत्तीसगढ़ी गांव और मायके की तरह सजाया गया था। पारंपरिक बैलगाड़ी, नंदिया-बइला, लोक शिल्प और ग्रामीण परिवेश की सजावट के बीच फुगड़ी, रस्साकशी, कुर्सी दौड़, मेहंदी और झूलों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच माताओं-बहनों ने पूरे उत्साह के साथ तीजा-पोरा की खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तीजा पर बेटियों और बहनों के मायके आने की सुंदर परंपरा है। प्रदेशभर से आप सभी बहनें मेरे घर आई हैं, यह मेरे लिए सौभाग्य और आनंद की बात है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संबोधन के साथ पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा।

श्री साय ने कहा कि तीजा-पोरा हमारी माटी, परिवार, रिश्तों, खेती-किसानी, पशुधन और लोकजीवन से जुड़ा जीवंत उत्सव है। हरेली से शुरू होने वाली छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों की सुंदर श्रृंखला हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन को आत्मीयता के सूत्र में बांधती है। हमारी लोक परंपराएं पीढ़ियों को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का काम करती हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में श्री साय ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की माताओं-बहनों सहित सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजा का पर्व माता पार्वती की तपस्या, समर्पण और अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। हमारी माताएं और बहनें आज भी इस महान परंपरा को श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की माताओं-बहनों के सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य के साथ छत्तीसगढ़ के निरंतर विकास और खुशहाली की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोरा का पर्व हमारी कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। तीजा और पोरा उसी आत्मीयता और व्यापकता को अभिव्यक्त करता है।

'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' से सुपोषित होगा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशव्यापी 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान का शुभारंभ किया और अभियान के लोगो का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुनगा पोषक तत्वों और आवश्यक मिनरल्स से भरपूर है। इसकी पत्तियां और फलियां पोषण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी हैं। विशेषकर महिलाओं और बच्चों के आहार में इसका उपयोग बेहतर पोषण में सहायक हो सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि अपने घरों और आसपास मुनगा लगाएं और इसके पोषण गुणों को जन-जन तक पहुंचाएं। घर-घर मुनगा लगाकर सुपोषित छत्तीसगढ़ बनाएं।

राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ, सुपोषण रथ रवाना

9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में पोषण माह आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के पोस्टर का विमोचन किया और उपस्थित माताओं-बहनों को सुपोषण की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इस दौरान महिलाओं, बच्चों और परिवारों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सुपोषण रथ पोषण संबंधी जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नन्हे बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया।

कार्यक्रम में मंत्री गजेंद्र यादव, दयाल दास बघेल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, महापौर मीनल चौबे, वीणा सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव सुश्री शहला निगार, तथा बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

तीजा हमारी समृद्ध परंपराओं और मातृशक्ति का पर्व : राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने माताओं-बहनों को तीजा-पोरा तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीजा हमारी समृद्ध परंपराओं और मातृशक्ति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के कल्याण, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना की 31 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। यह योजना माताओं-बहनों को आर्थिक संबल देने के साथ उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत कर रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान को महत्वपूर्ण बताते हुए माताओं-बहनों से अपने घरों और आसपास मूनगा लगाने तथा इसे नियमित आहार में शामिल करने का आह्वान किया।

निर्माण श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकारों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और श्रमिक हितों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। 11 और 12 सितंबर 2026 तक आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के निर्माण श्रमिकों के सुरक्षित, सम्मानजनक और समृद्ध भविष्य पर विस्तृत चर्चा की जा रही है।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, मध्यप्रदेश के श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और छत्तीसगढ़ के श्रम सचिव हिम शिखर गुप्ता सहित विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए।

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह तथा मंडल सचिव गिरीश रामटेके ने किया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों ने श्रमिक हित में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों और नए नवाचारों के अनुभवों को साझा किया। साथ ही निर्माण श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भविष्य की रणनीतियों पर रणनीति तैयार की जा रही है।

यह आयोजन देश के निर्माण श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

धरमजयगढ़ की दो उचित मूल्य दुकानों में 31.76 लाख की गड़बड़ी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने तथा हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा उचित मूल्य दुकानों के संचालन और राशन वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में खाद्य विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। धरमजयगढ़ विकासखंड में जांच के दौरान दो उचित मूल्य दुकानों में गंभीर अनियमितता सामने आई। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि ग्राम गनपतपुर की शासकीय उचित मूल्य दुकान के निरीक्षण के दौरान स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच में 704.93 क्विंटल चावल, 15.34 क्विंटल शक्कर और 31.98 क्विंटल नमक की कमी पाई गई। इसका कुल अनुमानित मूल्य 18 लाख 86 हजार 345 रुपये है। इसी तरह ग्राम ससकोबा की शासकीय उचित मूल्य दुकान में जांच के दौरान 499.65 क्विंटल चावल, 5.37 क्विंटल शक्कर और 8.03 क्विंटल नमक की कमी सामने आई। इसकी अनुमानित कीमत 12 लाख 89 हजार 375 रुपये है। राशन वितरण में अनियमितता भी सामने आई। पुलिस ने दोनों प्रकरणों को विवेचना में लेते हुए संबंधितों को गिरफ्तार कर लिया है।

उचित मूल्य दुकानों की लगातार निगरानी

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न के स्टॉक, भंडारण और हितग्राहियों को वितरण की व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने संबंधित अधिकारियों को दुकानों का नियमित निरीक्षण करने, स्टॉक का सत्यापन सुनिश्चित करने तथा हितग्राहियों को उनके हक का राशन समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने किया 'साइबर संकल्प' का शुभारंभ, 500 विद्यार्थियों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ को साइबर अपराधों से मुक्त और सुरक्षित डिजिटल राज्य बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'साइबर जागृति अभियान' को आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से नई गति मिली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किए गए 9 मॉड्यूल वाले वीडियो पाठ्यक्रम 'साइबर संकल्प' का शुभारंभ किया।

श्री शर्मा ने कहा कि आज डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। बैंकिंग, खरीदारी, शिक्षा, व्यापार और सरकारी सेवाओं सहित अनेक कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। डिजिटल सुविधाओं ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों की नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए 'साइबर संकल्प' एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत 9 वीडियो मॉड्यूल तैयार किए गए हैं और प्रत्येक मॉड्यूल लगभग 5 से 6 मिनट का है। इन वीडियो के माध्यम से नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों, डिजिटल सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी।

कार्यक्रम में एक करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी के शिकार डॉ. सेन ने बताया कि किस प्रकार उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाया। उन्होंने समय रहते पुलिस से संपर्क किया। गोल्डन ऑवर में पुलिस को सूचना मिलने के कारण 60 लाख रुपये की ठगी की राशि वापस प्राप्त हो सकी।

साइबर ठगी होते ही 1930 पर तत्काल करें कॉल

गृहमंत्री ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी होती है तो घबराने या देर करने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। समय पर सूचना मिलने से पुलिस को ठगी की राशि को रोकने और पीड़ित तक वापस पहुंचाने की कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

डिजिटल क्रांति के साथ सुरक्षा भी जरूरी

श्री शर्मा ने कहा कि भारत डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। देश में बड़े पैमाने पर डिजिटल लेनदेन हो रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधा जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं।

विद्यार्थियों से 'साइबर जागरूकता का दूत' बनने का आह्वान

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा अभियान का सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग तकनीक का सबसे अधिक उपयोग करता है और उसके पास डिजिटल जागरूकता को समाज के बड़े वर्ग तक पहुंचाने की क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने घरों में बुजुर्गों, माता-पिता और अन्य परिजनों को साइबर ठगी के नए तरीकों के बारे में बताएं। सोशल मीडिया, फर्जी कॉल, ओटीपी, बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी लिंक और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के प्रति लोगों को जागरूक करें।

बैगलेस डे में बच्चे सीख रहे रचनात्मक, व्यावहारिक जीवन कौशल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बैगलेस डे पर विद्यालयों में बच्चों को बस्ते के बोझ से मुक्त रखकर स्वच्छता, रचनात्मक और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से आनंदमय शिक्षा दी जाती है। बैगलेस डे के अंतर्गत बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई के अतिरिक्त खेल, चित्र, चर्चा, स्वतंत्रता जागरूकता एवं मौलिक विचारधारा की स्थापना में शामिल किया जाएगा। इससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता, निर्देशन, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होगी।

कलेक्टर सूरजपुर रेना जमील और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शनिवार को जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में बैगलेस डे के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक और व्यावहारिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों, पालकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान, खेलकूद और कलात्मक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बैगलेस डे के तहत विद्यालय परिसरों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। बच्चों ने गाजर घास उन्मूलन, परिसर व शौचालयों की साफ-सफाई, पाउच-पन्नी का सुरक्षित निस्तारण और पेयजल स्रोतों की स्वच्छता का कार्य किया। इन गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे स्वच्छ और सुंदर विद्यालय के महत्व को समझ सकें।

विद्यार्थियों के बौद्धिक और सृजनात्मक विकास के लिए कई दिलचस्प गतिविधियां आयोजित की गईं। कल्पनात्मक निबंध पेड़ बोल सकते तो क्या कहते विषय पर बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता के आधार पर सुंदर निबंध लिखे। पेपर क्राफ्ट और कला के माध्यम से कागज को मोड़ने और काटने की तकनीक से बच्चों ने नाव, हवाई जहाज, तितली और मेंढक जैसी आकर्षक आकृतियां बनाईं। बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट के द्वारा विद्यार्थियों ने कागज से ग्रीटिंग कार्ड और कबाड़ से जुगाड़ यानी अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी कलात्मक वस्तुएं तैयार कीं।

इस विशेष दिन पर विद्यालयों में समुदाय आधारित न्योता भोजन का भी आयोजन किया गया। माध्यमिक शाला कन्या रामानुजनगर में स्थानीय व्यवसायी श्रवण कुमार गुप्ता ने अपने जन्मदिन के अवसर पर संकुल समन्वयक जयप्रकाश बरेठा के साथ मिलकर बच्चों को न्योता भोजन कराया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। वहीं, भैयाथान विकासखंड के प्राथमिक शाला शिवप्रसाद नगर में समुदाय के सहयोग से बच्चों को कॉपियां वितरित की गईं और विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950